NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 147 लखनऊ, सोमवार 13 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

लगभग 1200 किमी. दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचा छह वर्ष का बालक, योगी आदित्यनाथ ने किया सम्मानित

संवाददाता।

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंच पर बताया कि इस बालक ने 14 नवंबर से दौड़ लगाना प्रारंभ किया। लगभग 1200 किमी. दूर दौड़ लगाकर यह अयोध्या आया है। इसने प्रतिदिन 19–20 किमी. दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामलला सरकार के श्रीविग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के उपरांत कार्यक्रम में मंच पर छह वर्ष के बालक मोहब्बत को सम्मानित किया। मोहब्बत पंजाब के पाकिस्तान बॉर्डर के फाजिल जिले के अबोहर कस्बे से शुक्रवार को अयोध्या के सरयू तट पर पहुंचा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंच पर बताया कि इस बालक ने 14 नवंबर से दौड़ लगाना प्रारंभ किया। लगभग 1200 किमी. दूर दौड़ लगाकर यह अयोध्या आया है। इसने प्रतिदिन 19–20 किमी. दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री ने बालक मोहब्बत को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सीएम ने उसे चॉकलेट भी प्रदान किया और उसका हालचाल पूछकर हौसलाअफजाई भी की।

दिल्ली 60 लाख रुपये की सुपारी चोरी के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

एजेसी।

दिल्ली अधिकारी ने बताया कि 10 जनवरी को की गई छापेमारी में अमित कुमार (44), सुनील कुमार (51) और मोहम्मद कल्लू कुरैशी (56), इन तीन लोगों के पास 4,800 किलोग्राम वजन की 38 बोरी सुपारी बरामद की और उन्हें गिरफ्तार किया गया।दिल्ली पुलिस ने 60 लाख रुपये मूल्य की 430 बोरी सुपारी ले जा रहे एक ट्रक की चोरी में कथित रूप से शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता राहुल वर्मा ने नरेला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई।अधिकारी के अनुसार, टीम ने दिल्ली के खेड़ी आसरा, झज्जर और ब्रह्मपुरी में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि आठ जनवरी को हर्ष (24) और अंकित (24), दो संदिग्धों के पास से 7,630 किलोग्राम वजन की 109 बोरी सुपारी जब्त की गयी और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि 10 जनवरी को की गई छापेमारी में अमित कुमार (44), सुनील कुमार (51) और मोहम्मद कल्लू कुरैशी (56), इन तीन लोगों के पास 4,800 किलोग्राम वजन की 38 बोरी सुपारी बरामद की और उन्हें गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को हनुमान बेनीवाल ने दिया झटका!

एजेंसी। दिल्ली हनुमान बेनीवाल ने कहा कि दिल्ली में हर कोई ।।च सरकार से खुश है लेकिन केंद्र सरकार ने AAP के वरिष्ठ नेताओं को जेल में डाल दिया। बीजेपी और कांग्रेस पार्टी कभी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय पार्टियां राजनीति में उभरें। दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का समर्थन मिला है। दिल्ली में आप सांसद संजय सिंह से आरएलपी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने मुलाकात की है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जाट समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने को लेकर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा लिए गए फैसले पर हमारी आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल से चर्चा हुई है। उन्होंने कहा है कि वह आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को समर्थन देंगे। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि दिल्ली में हर कोई ।।च सरकार से खुश है लेकिन केंद्र सरकार ने ।।च के वरिष्ठ नेताओं को जेल में डाल दिया। बीजेपी और कांग्रेस पार्टी कभी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय पार्टियां राजनीति में उभरें। उन्होंने कहा कि आरएलपी के कार्यकर्ता इसके लिए प्रचार करेंगे दिल्ली में आम आदमी पार्टी। आरएलपी ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को समर्थन देने का फैसला किया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राजधानी के जाट समुदाय को आरक्षण देने के वादे से मुकरने का आरोप लगाया।

शिबू सोरेन 81 साल के हुए

एजेसी।

नई दिल्ली शुक्रवार को भाजपा में फिर से शामिल हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने झामुमो प्रमुख से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन शनिवार को 81 साल के हो गए। उनके परिवार के सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां उनका जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उनके बेटे एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में उनके आवास पर केक काटा गया। कार्यक्रम में हेमंत सोरेन की विधायक पत्नी कल्पना सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख शिबू सोरेन का जन्म 1944 में रामगढ़ में हुआ था।

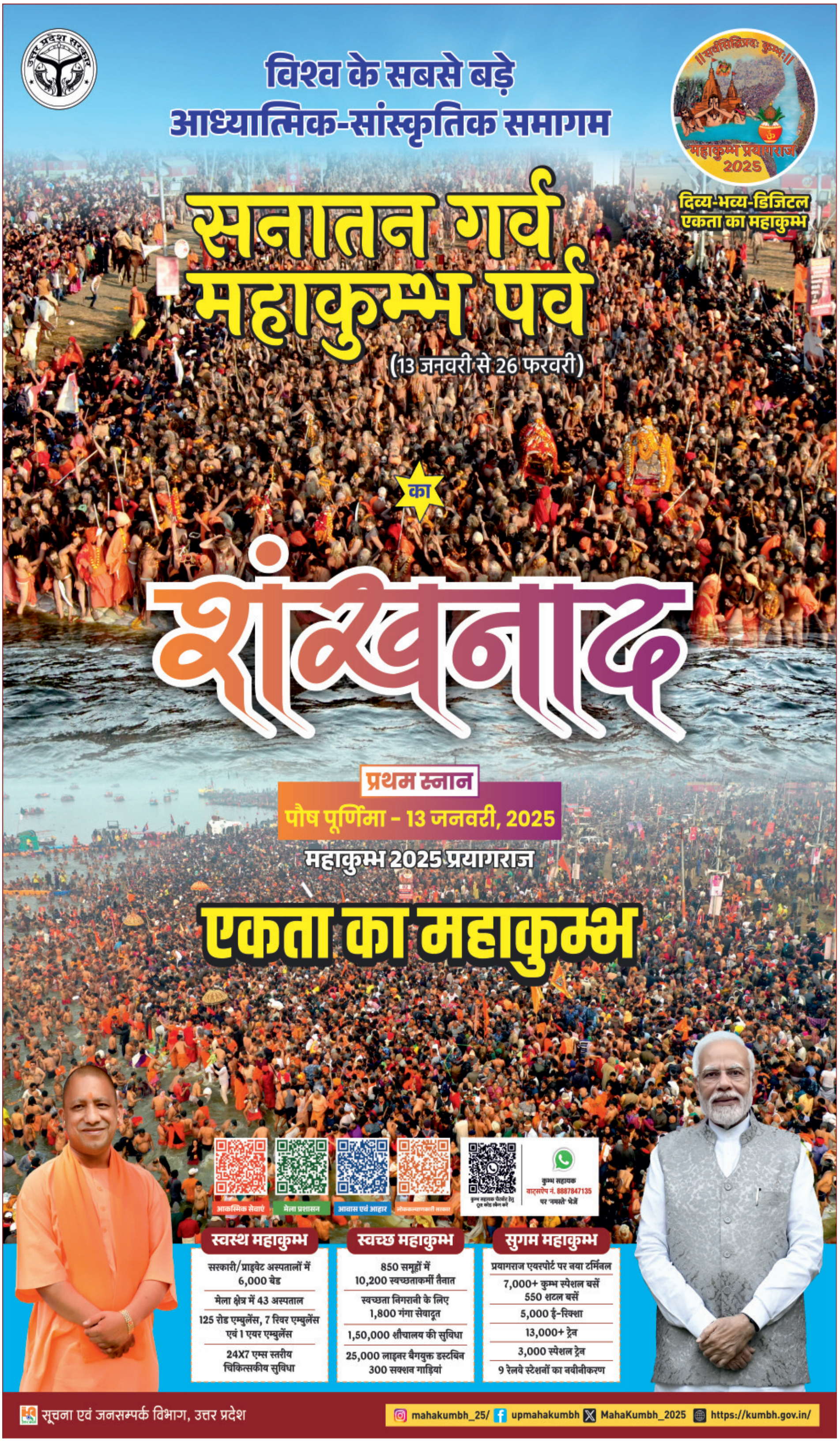

महाकुंभ और यूपी दिवस की तैयारियों की समीक्षा, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम ने दिए दिशा–निर्देश

लखनऊ, (आरएनएस) पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से महाकुंभ और यूपी दिवस पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा शनिवार को प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा की गई। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले पर्यटकों को उत्तर प्रदेश के धार्मिक–आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों, प्रसिद्ध व्यंजन, शिल्प और अन्य विशेषताओं से परिचित कराने का निर्देश दिया, ताकि आगंतुक राज्य की विशिष्टता का अनुभव कर सकें।मेश्राम ने कहा कि उत्तर प्रदेश धर्म, अध्यात्म, प्राकृतिक सौंदर्यता, खान–पान और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है, और महाकुंभ को इस राज्य की विशेषताओं को प्रदर्शित करने के एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को राज्य की विशेषताओं का अनुभव कराना चाहिए और इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रचार–प्रसार की आवश्यकता है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर अयोध्या, चित्रकूट, वाराणसी, विंध्यवासिनी धाम सहित अन्य धार्मिक स्थलों के महत्व और कनेक्टिविटी की जानकारी देने वाले होर्डिंग्स लगाए जाएं।इसके साथ ही, प्रमुख सचिव ने 24 से 26 जनवरी तक ड्रोन शो कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी को यूपी दिवस, 25 जनवरी को टूरिज्म डे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की थीम पर ड्रोन शो आयोजित किए जाएंगे।यूपी दिवस की तैयारियों पर मेश्राम ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कलाकारों, कृषकों, डाक्टरों, व्यवसायियों, खिलाड़ियों और पर्यावरणविदों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर ट्रेवेलाग राइटर्स और इंफ्लूएंसर्स की मीट आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर, मेश्राम ने सभी कलाकारों को अवसर देने का भी निर्देश दिया, और प्रदेश के पारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल करने की बात कही।

लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

लखनऊ(आरएनएस) देश के प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी ने राजनीति में एक नई नजीर पेश की। उन्होंने अपनी जिंदगी में न केवल गरीबी से संघर्ष किया, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेकर कांग्रेस के साथ देश के बड़े नेताओं में अपनी पहचान बनाई और कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचे।उन्होंने याद किया कि शास्त्री जी इतने आदर्शवादी थे कि 1956 में हुए रेल हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। जब देश अन्न के मामले में आत्मनिर्भर नहीं था, तब उन्होंने श्जय जवान–जय किसानश का नारा देकर किसानों को प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में देश ने आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए और लाखों किसानों ने उनके आह्वान पर अनाज उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि की। इसके अलावा, शास्त्री जी ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी,

लखनऊ पुलिस में बदलाव

लखनऊ में नवागंतुक पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारी का स्थानांतरण किया गया है। नव्व गोपाल कृष्ण चौधरी, जो वर्तमान में लखनऊ में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात थे, को अब पुलिस उपायुक्त, उत्तरी, लखनऊ के रूप में तैनाती दी गई है।यह बदलाव शहर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में किया गया है।

लखनऊ थाना अलीगंज पुलिस ने किया शांति व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस) के अलीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। घटना 10 जनवरी 2025 की है, जब मिर्जाबाग, सेक्टर ई निवासी किरन ने अपने पति रामपाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए रामपाल को थाने बुलाया। बातचीत के दौरान रामपाल ने थाना परिसर में ही अपनी पत्नी के साथ वाद–विवाद करना शुरू कर दिया। यह स्थिति शांति व्यवस्था भंग करने का कारण बनी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत रामपाल को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी रामपाल (35 वर्ष) मिर्जाबाग, सेक्टर ई का निवासी है। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 170ध126ध135 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक प्रगति सिंह और कांस्टेबल राहुल सिंह शामिल रहे। पुलिस की यह तत्परता कानून व्यवस्था बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा विंध्याचल में मां की पैड़ी का पर्यटन विकास

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पावन धाम विंध्याचल में मां की पैड़ी के पर्यटन विकास के लिए लगभग 48.77 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। इनमें से 14 करोड़ रुपए पहले ही जारी किए जा चुके हैं। विभाग का उद्देश्य यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करना है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस विकास योजना की जानकारी देते हुए बताया कि विंध्याचल के घाट, चेंजिंग रूम, छतरी, पाथवे, शौचालय, रिटेनिंग वॉल, प्रवेश द्वार और फ्लोटिंग बोट जेटी जैसे कार्यों के लिए यह राशि स्वीकृत की गई है। जयवीर सिंह ने कहा कि विंध्याचल क्षेत्र का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। यह स्थल शुम्भ निशुम्भ नामक दैत्यों का वध करने वाली मां विंध्यवासिनी देवी के नाम से प्रसिद्ध है। इस मंदिर का उल्लेख विभिन्न धार्मिक ग्रंथों जैसे मार्कण्डेय पुराण और देवी भागवत पुराण में किया गया है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है, और नवरात्रि समेत विभिन्न धार्मिक अवसरों पर यहां भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है, और राज्य अब घरेलू पर्यटन में देश में पहले स्थान पर है। साथ ही, विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा कि धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों का विकास किया जा रहा है, ताकि पर्यटक यहां आकर विशेष अनुभव ले सकें।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर ब्रज जोन के कार्यकर्ताओं की बैठक

लखनऊ(आरएनएस) प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पांचवे दिन संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ब्रज जोन के विभिन्न जनपदों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रभारी उत्तर प्रदेश, अविनाश पाण्डेय और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस बैठक में ब्रज जोन के सह प्रभारी और राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सांसद किशोरी लाल शर्मा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, पूर्व सांसद पी0एल0 पुनिया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना और पूर्व विधायक संजय कपूर सहित कई अन्य नेता भी उपस्थित थे।बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए उनकी राय मांगी गई। कार्यकर्ताओं ने अपनी–अपनी राय और सुझाव शीर्ष नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत किए।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री अविनाश पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 35 वर्षों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश और प्रतिबद्धता कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी यह दर्शाता है कि 2027 में कांग्रेस अपनी पुनः सफलता की ओर अग्रसर होगी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि 1977 में जब कांग्रेस के खिलाफ माहौल था, तब भी आगरा और कई अन्य जिलों ने कांग्रेस की नीतियों में विश्वास दिखाया और पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि अब हमें भाजपा और आरएसएस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए सड़क से सदन तक अपना सफर तय करना है।

लखनऊ अलीगंज पुलिस ने दो व्यक्तियों को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में किया गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)के अलीगंज थाना क्षेत्र में नीरा तिराहे के पास नया हनुमान मंदिर परिसर में दो व्यक्तियों के बीच हुए झगड़े के चलते शांति व्यवस्था भंग हो गई। घटना 10 जनवरी 2025 की है, जब राजन अवस्थी (28 वर्ष) और सोनू अवस्थी (40 वर्ष) आपस में विवाद कर रहे थे।सूचना मिलने पर अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 170ध126ध135 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजदीप चौधरी, प्रधाना उपनिरीक्षक शिवम पांडेय और कांस्टेबल संजेश यादव शामिल रहे। पुलिस की यह तत्परता क्षेत्र में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

लखनऊ पुलिस ने गुम हुआ मोबाइल फोन मालिक को लौटाया

लखनऊ(आरएनएस) आलमबाग थाना क्षेत्र में गुम हुए एक मोबाइल फोन को पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण की मदद से ट्रेस कर बरामद कर लिया। इस फोन की कीमत 34,999 रुपये बताई गई है।गुमशुदगी की रिपोर्ट ब्म्प्ट पोर्टल पर दर्ज की गई थी, जिसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त अभय प्रताप मल्ल और प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मोबाइल फोन को खोजने के लिए तकनीकी साधनों का इस्तेमाल किया और इसे बरामद कर फोन के असली मालिक को सौंप दिया।फोन मिलने के बाद मालिक ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। लखनऊ पुलिस ने यह साबित किया कि गुम हुई संपत्ति को तलाशने में तकनीकी साधनों का उपयोग कितना कारगर हो सकता है।पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम हो जाए तो वे तुरंत ब्म्प्ट पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करें और आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करें ताकि फोन को जल्दी से बरामद किया जा सके।

महाकुंभ 2025 में लेजर शो और जलप्रक्षेपण लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन

लखनऊ , (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह की पहल पर महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत से एक विशेष लेजर शो और जलप्रक्षेपण लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन किया गया। यह शो टेमफ्लो सिस्टम्स, गाजियाबाद द्वारा विकसित किया गया है, और इसमें आधुनिक तकनीक का उपयोग कर महाकुंभ की प्राचीन गाथाओं को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया।यमुना नदी के तट पर स्थित काली घाट पर इस शो का प्रदर्शन किया गया। इस शो के दौरान, पानी की स्क्रीन पर उभरती अद्भुत छवियों ने महाकुंभ और प्रयागराज की ऐतिहासिक और धार्मिक गाथाओं को जीवंत किया। श्रद्धालुओं को इन पवित्र स्थलों की दिव्यता और ऐतिहासिक महत्व का गहरा अनुभव हुआ। शो में दिखाई गई दृश्य और ध्वनि ने दर्शकों को महाकुंभ के गौरवशाली अतीत में खो जाने का अवसर प्रदान किया।यह शो आम नागरिकों के लिए बिल्कुल मुफ्त है और रोज शाम 7 से 9 बजे तक दो शो आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अवधि 45 मिनट होगी। इस अभिनव पहल को संस्कृति और परंपरा के संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया और आगंतुकों ने इस पहल की सराहना की।महाकुंभ 2025 में यह शो एक प्रमुख आकर्षण बन गया है, जो आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक धरोहर का अद्भुत संगम है।

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी

लखनऊ(आरएनएस) के थाना आशियाना क्षेत्र में एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, वादिनी की तहरीर पर अभियुक्त रिंकू वर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तिकोनिया पार्क के पास से आरोपी रिंकू वर्मा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया गया। अभियुक्त रिंकू वर्मा निवासी कामादेवी मंदिर के पास, किला गाँव मोहम्मदी का रहने वाला है।मामले में आवश्यक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, और पुलिस अन्य कानूनी कार्रवाई कर रही है। आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी भी अन्य थानों से जुटाई जा रही है।इस कार्रवाई में अति0 निरीक्षक श्री प्रकाश सिंह, वरि0 उपनिरीक्षक धर्मवीर शाही, उपनिरीक्षक अमरपाल अग्निहोत्री, प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार और हेड कांस्टेबल अशोक शर्मा शामिल थे।

महाकुम्भ में संगम की रेत पर बहेगी न्याय की गंगा

45 दिन लगातार श्रक्षलुओं के बीच रहेंगे जज, लोकायुक्त, सूचना आयुक्त और वकील

सीएम योगी के निर्देश पर महाकुम्भनगर में किया जा रहा विशेष इंतजाम

महाकुम्भनगर(आरएनएस)। महाकुम्भ इस बार न सिर्फ अध्यात्म और आस्था का केंद्र बनेगा बल्कि न्याय, पारदर्शिता और अधिकारों के प्रति जागरूकता का भी संदेश देगा। महाकुम्भनगर में न्यायाधीश कॉलोनी के साथ लोकायुक्त, सूचना आयुक्त के कॉटेज सहित बार काउंसिल के लिए भी सेटअप तैयार किए जा रहे हैं।यहां 45 दिनों तक जज, लोकायुक्त, सूचना आयुक्त और वकील सीधे जनता के बीच रहेंगे। साथ ही उन्हें न्याय, सूचना के अधिकार से जुड़े हर पहलू की जानकारी देंगे। यहां महाकुम्भनगर के सेक्टर–23 स्थित न्यायाधीश कॉलोनी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं। यहां सेक्टर–23 और किला घाट के पास दो जगहों पर 150 से अधिक कॉटेज बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के विशेष निर्देश पर महाकुम्भनगर के जिम्मेदार सभी तैयारियां पूरी करने में युद्धस्तर पर जुटे हैं।महाकुम्भनगर के सेक्टर–23 स्थित न्यायाधीश कॉलोनी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि महाकुम्भनगर में श्रद्धालु सिर्फ आध्यात्मिक अनुभव ही नहीं बल्कि अपने अधिकारों और न्याय पाने के डिजिटल उपकरणों के बारे में भी सीखें। यह महाकुम्भ सिर्फ संगम का मेला नहीं बल्कि समाज को जागरूक करने का अवसर है। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क विधिक सहायता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सेक्टर–4 में खोया–पाया केंद्र के पास एक शिविर शुरू किया है। इसमें वकील कानूनी सहायता देने के साथ जनता को जागरूक भी करेंगे।

त्रिवेणी के संगम पर होगा सात सुरों का संगम

महाकुम्भ नगर(आरएनएस)। महाकुम्भ आध्यात्मिक आयोजनों, नदियों के संगम का प्रतीक ही नहीं बल्कि यह परंपराओं, संस्कृतियों और कलात्मक अभिव्यक्तियों का भी अद्भुत संगम है। महाकुंभ के गंगा पंडाल में सुरों का अद्भुत संगम उतरने वाला है। बॉलीवुड से लेकर देश भर के कलाकार 16 जनवरी से 24 फरवरी तक अपनी प्रस्तुति देकर लोगों को झंकृत कर भाव विभोर करेंगे। महाकुम्भ में देशभर से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगी। इन प्रस्तुतियों में शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत और नाट्य कलाएं शामिल होंगी। वह भक्ति और आस्था की कहानियां सुनाएंगी और भारतीय सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रदर्शन भी करेंगी। कार्यक्रम का उद्घाटन 16 जनवरी को प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन द्वारा होगा, जबकि समापन प्रस्तुति 24 फरवरी को मोहित चौहान देंगे।

उक्त भव्य आयोजन में 16 जनवरी को शंकर महादेवन, रवि, 17 को महेश काले, 18 को पार्वती, 19 को सौनक चट्टोपाध्याय, 20 को श्रीराम चंद्र, 21 को आदित्य सारस्वत, 22 को प्रतिभा सिंह बघेल, 23 को विक्रम घोष, 24 को अन्वेशा दत्त गुप्ता की जहां प्रस्तुति देंगे वहीं 25 जनवरी को बेल्हा के उर्वरा माटी के लाल पार्श्व गायक रवि त्रिपाठी , 26 को साधना सरगम, 27 को शान, 31 जनवरी को रंजनी और गायत्री, 1 फरवरी को ईमान चक्रवर्ती, 5 को संजीव शंकर, तेजेंद्र नारायण मजूमदार, तन्मय बोस, 6 को उमाकांत गुंडीचा, 7 को योगेश गंधर्व आभा गंधर्व, कविता कृष्णमूर्ति , डॉ एल सुब्रमण्यम, 9 को सुरेश वाडेकर, 10 को हरिहरन, 14 को नवदीप बडाली, 15 को देव मित्र सेन गुप्ता, ऋषभ रिखीराम शर्मा, 16 को रतेंद्र भादुड़ी, राहुल देशपांडे, 17 को नितिन मुकेश, 18 को सौरेंद्रो, सौम्यजीत, 19 को श्वेता मोहन, 20 को आभा हंजुरा, 21 को कविता सेठ, 22 को पार्थिव गोहिल, 23 को कैलाश खेर, 24 को मोहित चौहान जैसे प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इन कलाकारों के संगीत और नृत्य से महाकुंभ में एक अलौकिक और भव्य आध्यात्मिक वातावरण तैयार होगा, जो श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनेगा।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण के प्रकल्प संचालित कर महाकुंभ मनाएगा नारायण सेवा संस्थान

45 दिन निःशुल्क भंडारा, कृत्रिम अंग व सर्दी में वस्त्रों का होगा वितरण

प्रयागराज(आरएनएस)। दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला महाकुंभ 2025 का आरंभ 13 जनवरी होने जा रहा है। इस मौके पर उदयपुर से मेले में शामिल होने वाले नारायण सेवा संस्थान द्वारा विभिन्न सेवा के प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। विशेष रूप से नारायण सेवा संस्थान समाज के दिव्यांग बंधु– बहिनों को मुख्यधारा में लाने के लिए निरूशुल्क सेवाएं देकर दिव्यांग सशक्तिकरण महाकुंभ मनाएगा। मेले में दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व कैलिपर्स कार्यशाला चलेगी तथा कृत्रिम अंगों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

नारायण खालसा अन्नपूर्णा मार्ग सेक्टर – 18 में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान निदेशक एवं ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा ने बताया कि मकर संक्रांति से महाशिवरात्रि 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ मेले में नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, कैलीपर्स की सेवाएं दी जाएगी। मोबाइल, कंप्यूटर, सिलाई प्रशिक्षण और ऑपरेशन के इच्छुक दिव्यांगों को उदयपुर मुख्यालय भेजा जाएगा। संस्थान द्वारा कुंभ के श्रद्धालुओं, संतों और संस्थान सदस्यों के लिए निरूशुल्क भंडारे की व्यवस्था कर रहा है। रोज हजारों लोग भंडारे से लाभान्वित होंगे। संस्थान की कृत्रिम अंग कार्यशाला से महाकुंभ में ही मॉडयुलर नारायण लिंब निशुल्क प्राप्त कर अपनी रुकी हुई जिंदगी को पुनः गति प्रदान करेंगे।

ट्रस्टी चौबीसा ने आगे की जानकारी देते हुए कहा कि 12 जनवरी को प्रातः 10रू00 बजे होगा पताका पूजन हेगा। आगे की जानकारी देते हुए संस्थान सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक

भगवान प्रसाद गौड़ ने कहा संस्थान द्वारा दिव्यांग सशक्तिकरण थीम पर प्रतीक रूप में 11 दिव्यांगों को संगम तट पर ले जाकर पुण्यदायी कुम्भ डुबकी लगाई जाएगी

बिना सोचे मतदान कर गोहत्या के पाप का भागी न बने हिन्दू– शंकराचार्य जी महाराज

प्रयागराज(आरएनएस)। परमधर्मसंसद् 1008 समस्त सनातन वैदिक हिन्दू आर्य परमधर्म के मानने वालों के लिए परमधर्मादेश जारी किया है कि गोहत्याबन्दी के लिए आज हर हिन्दू को अब यह संकल्प लेना होगा कि वे अपना मतदान उन्हीं पार्टी या प्रत्याशियों को देंगे जो गोहत्याबन्दी की स्पष्ट उद्घोषणा करते हों। यह निर्णय जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीरू १००८ अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वतीजी महाराज ने आज परमधर्मसंसद में पारित किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य ने कहा कि यह इसीलिए भी आवश्यक है क्योंकि हिन्दू मतदाता के मत प्राप्त कर बनी सरकारें जब गोहत्या को रोकने के बजाय उनकी हत्या को बढावा देती हैं तो मतदाता को भी उनका समर्थन करने के कारण गोहत्या का पाप लग रहा है।

सनातन वैदिक हिन्दू आर्य परमधर्मसंसद् १००८ की द्वितीय दिवसकी कार्यवाही सुचारू रूपसे हुई। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीरू १००८ अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी के अध्यक्ष स्थान पर विराजित होते ही कार्यवाही आरम्भ हुई। प्रसिद्ध भागवत कथाकार श्री अनिरुद्धाचार्य महाराज की पावन उपस्थिति भी सदन के दौरान रही। परमधर्मसंसद् में आज मतदान के पापपुण्यका विचार पर प्रस्ताव रखें गए, चर्चा हुई और धर्मादेश पारित किया गया। गोहत्याबन्दी के लिए आज हर हिन्दू को संकल्पित होना पड़ेगा कि वे अपना मतदान उन्हीं पार्टी या प्रत्याशियों को देंगे जो गोहत्याबन्दी की स्पष्ट उद्घोषणा करते हों। यदि हिन्दू मतदाता के मत प्राप्त कर बनी सरकारें गोहत्याको रोकनेके बजाय उनकी हत्या को बढावा देती हैं तो मतदाता को भी उनका समर्थन करने के कारण गोहत्या का पाप लग रहा है।

क्योंकि शास्त्र कहता है कि गौहत्या का समर्थन देनेवाला भी गोहत्या के पाप का भागी है।

किसानों की उपेक्षा पर नव्व अखिलेश यादव का आरोप, भाजपा सरकार पर कड़ी टिप्पणियाँ

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों के प्रति लगातार उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षात्मक रवैये के कारण किसानों की फसल और जमीन लुट रही है। उनका कहना था कि यह सरकार किसानों की संपत्ति को उद्योगपतियों के हाथों सौंप रही है, जिससे बड़े व्यापारी सस्ते में जमीन और फसलें खरीदकर मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि किसान बर्बाद हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को आवश्यक खाद, बीज, बिजली, और पानी की सुविधा नहीं मिल रही है। साथ ही, योजनाओं के बजट बढ़ाकर लूट का गोरखधंधा चलाया जा रहा है, जबकि किसानों के लिए

लखनऊ रेडक्रास सोसाइटी ने 1303 स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किए, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया शुभारंभ

लखनऊ (आरएनएस) शनिवार को इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी शाखा लखनऊ द्वारा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में 1303 स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने किया।कार्यक्रम में चेयरमैन ओम प्रकाश पाठक, सचिव अमरनाथ मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडे, और प्रधानाचार्य श्रीमती मिनाक्षी त्रिपाठी की उपस्थिति में स्वेटर वितरित किए गए।मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक ने संबोधित करते हुए कहा, ष्हमारी सरकार हर समस्या का समाधान करने के लिए तत्पर है। सर्दी के मौसम में हमारी प्यारी बहन–बेटियों को शिक्षा में कोई विघ्न न आए, इसलिए इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी लखनऊ शाखा ने स्वेटर की व्यवस्था की है। इसके लिए मैं पूरी कमेटी और अमरनाथ मिश्र को धन्यवाद देता हूं।ष्कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चेयरमैन ओम प्रकाश पाठक, सचिव अमरनाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, दिनेश कुमार मिश्रा, जीतेन्द्र सिंह, माजिद अली खान, नफीस अहमद, सतीश मिश्र, आलोक कुमार सक्सेना, महेश कुमार, कार्तिका माथुर, और कार्यालय के हर्षित शुक्ला उपस्थित रहे।रेडक्रॉस सोसाइटी लखनऊ शाखा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम स्कूली बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ और सभी ने इस पहल की सराहना की।

पीजीआई थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस) थाना पीजीआई पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी में शामिल एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी तलाशी में 01 किलो 10 ग्राम अवैध गांजा और घटना में प्रयुक्त दो पहिया वाहन बरामद किया।यह कार्रवाई 10 जनवरी 2025 को थाना पीजीआई पुलिस टीम द्वारा सेक्टर 20 स्थित सीएनजी पंप के पास की गई। पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में खड़े एक व्यक्ति को चेक किया, जिसकी पहचान दिलीप सिंह उर्फ पप्पू (42 वर्ष), निवासी ग्राम पिपरौली, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई। आरोपी के दो पहिया वाहन की डिग्गी से एक झोले में लिपटा हुआ संदिग्ध पदार्थ मिला, जिसे खोलने पर गांजा पाया गया।अभियुक्त ने वाहन का उपयोग अवैध गांजा की तस्करी के लिए किया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सुभासपा का इसौली में जमे पांव, शुरू की कसरत

सुभासपा पहुंच रही वंचितों के द्वार

सुलतानपुर(आरएनएस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी इसौली विधानसभा क्षेत्र में पांव जमाने के लिए ष्लंगोटष कस ष्कसरतष शुरू कर दी है। पिछड़ी और अनसूचित की उप जातियों को पार्टी से जोड़ने की तगड़ी कवायद की है। पार्टी के जिलाध्यक्ष विनीत सिंह पार्टी पदाधिकारियों के साथ मीटिंग करने का दौर शुरू कर दिया है। बैठक में पहुंच रहे व्यक्तियों को बड़े मार्मिक ढंग से समझा कर पार्टी से जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सुभासपा जिलाध्यक्ष के कार्यशैली की ष्दादष अन्य पार्टी के पदाधिकारी दे रहे हैं,जो अपने आप मे एक मिशाल है,जिसकी सराहना क्षेत्र में खूब हो रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के निर्देश पर जिले के जिलाध्यक्ष विनीत सिंह पार्टी का विस्तार और संगठन को और मजबूत बनाने के लिए ठोस रणनीति ही नही तैयार की है, बल्कि उस पर अमलीजामा भी पहनाने की तगड़ी कोशिश कर रहे हैं,जिससे की जिले के हर विधानसभा, तहसील,ब्लाक स्तर पर मजबूत कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी हों,जिससे समूचे जिले में पार्टी ष्बरगदष का पेड़ बनकर मजबूती के साथ खड़ी हो। एक बड़ी लाइन खींचने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। जो धरातल पर दिख भी रहा है। शुक्रवार को जिलाध्यक्ष विनीत सिंह पूरी टीम के जिम्मेदार साथियों के साथ इसौली विधानसभा क्षेत्र के कई स्थानों पर मीटिंग किए। जिसमे वंचित,पिछड़े,गरीब समाज के बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष ने सुभासपा की नीतियों को तो बताने का कार्य किया ही,साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सूबे के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के संघर्षों के बारे में भी बताने का कार्य जैसे ही शुरू किया तो उपस्थित वंचित समाज के व्यक्तियों ने जिंदाबाद के खूब उद्घोष किया। राजनैतिक बैठक के माहौल में चारचांद लग गया। जैसे कि उन्हें मुंह मांगी मुराद मिल गई हो। एक बैठक प्रदीप के संयोजन में हुई। दूसरी मीटिंग बृजेश पाल,तीसरी बैठक बाबूलाल धुरिया और एक चौपाल रितेश राणा के अगुवाई में हुई। जिसमे वंचित समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा ही नही लिया बल्कि ढेर सारे व्यक्तियों ने पार्टी की सदस्यता भी ली। सुभासपा के कार्यक्रम को देखकर कई पार्टी के पदाधिकारियों ने दांतों तले उंगली दबाई। काश! मेरी भी पार्टी के जिलाध्यक्ष इसी तरह गरीबों के द्वार पहुंचते तो बात कुछ और ही न होती,बल्कि बात बन जाती।

नियम विरुद्ध चलने वालों का काटा गया चालान, भागते नजर आए वाहन चालक

सुल्तानपुर(आरएनएस)। अपील, मिन्नत और जन–जागरूकता समय समाप्त होते ही यातायात पुलिस पूरे तेवर में दिखाई दे रही है। नये पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की सख्ती और दिशा–निर्देश में 11जनवरी को यातायात पुलिस नये कलेवर में बस स्टाप स्थित दिखी,वाहन चालको के लांइसेंस,वाहनों के दस्तावेज,काली फिल्म,फायर साइलेंसर आदि की जांच सख्ती के साथ की गई,बताते चले की 10जनवरी तक यातायात पुलिस ने जन–जागरूकता अभियान चलाकर वाहन चालको को सुरक्षित यातायात का पाठ पढाघ्या था,साथ ही नियम का पालन करने वालो का पुष्प देकर उनका सम्मान भी किया था, बावजूद इसके पुलिस की अपील का लोगो पर कुछ खास असर नही दिखा,जिसके नतीजे में 11जनवरी को बस स्टाप स्थित यातायात पुलिस की पुलिसिंग देखते ही बनी,अभियान में उप निरीक्षक परवेज आलम,काजीघ हुजूर आलम,नरेंद्र बहादुर सिंह, छोटेलाल, दिनेश कुमार सिंह,जय प्रकाश एचसीपी मेजर बेलाल अहमद,अरविंद कुमार यादव, रमेश कुमार सोनकर,प्रभूनाथ का.विनय यादव व दर्जनों होमगार्ड और पीआरडी जवान मौजूद रहे,यातायात पुलिस की मुस्तैदी के चलते वाहन चालक गली व मोहल्ले के रास्ते भागते दिखाई दिए,परंतु पुलिस ने उन्हेंभी जाने नही दिया,पुलिस की सख्ती के कारण कुछ वाहन चालक गिड़गिडाघ्ते रहे,फिर भी चालन कटने से बच नही पाए,यातायात पुलिस की माने तो नगर के सभी मुख्य मार्ग पर वाहन चेकिंग लगाई जाएगी,वाहन और चालको की सघन जांच की जाएगी।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर सीएम योगी ने रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश

अयोध्या(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीरामलला के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर शनिवार को अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री राम के चरणों में शीश झुकाया व रामलला की उतारी आरती। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की अंतिम समय पर संकटमोचन हनुमान के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने यहां विधिवत पूजा–अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। सीएम ने जन्मभूमि पथ पर खड़े श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां विधिवत दर्शन–पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने यहां श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास जी महाराज से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। सीएम योगी ने साधु संतों के साथ भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव आदि जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने रामकथा पार्क पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके पहले 4 जनवरी को भी अयोध्या आए थे। उस दिन उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, फिर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की थी।

राम हैं तो राष्ट्र है, राष्ट्र है तो राम हैं

–सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में देशवासियों से आह्वान किया था कि राम राष्ट्र के प्रतीक हैं। राम हैं तो राष्ट्र है, राष्ट्र है तो राम हैं। दोनों को अलग करके नहीं देखा जा सकता, दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक इन्हीं आराध्य देवों के कारण आज भारत है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को आगे बढ़ाया जा रहा है। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि उस अभियान का हिस्सा बनें। सीएम ने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज की धरती पर महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है। अयोध्या जैसी भव्य सुविधा प्रयागराज में प्राप्त होने वाली है। प्रयागराज महाकुम्भ भव्यता–दिव्यता, आस्था व आधुनिकता के संगम के रूप में देखने को मिल रहा है। सीएम ने सभी से अनुरोध किया कि एक बार जाकर त्रिवेणी में स्नान कीजिए और सनातन धर्म के बढ़े गौरव का मूर्त रूप देखकर आइए। इस अवसर पर महंत दिनेंद्र दास जी महराज, धर्मदास जी महाराज, ज्ञानी गुरजीत सिंह, श्रीराम जन्भूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री सचिव चंपत राय, विहिप के केंद्रीय पदाधिकारी दिनेश, कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, अभय सिंह, अमित सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।? वहीं मुख्यमंत्री ने लखनऊ निकलने से पूर्व संकटमोचन हनुमानगढ़ी के दरबार में भी हाजिरी लगाई। उन्होंने यहां विधिवत पूजा–अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की।

एपीओ की तहरीर पर धनपतगंज में दर्ज हुआ मुकदमा

बलदीराय(आरएनएस)। धनपतगंज विकासखंड के भरसडा गांव में जांच से बौखलाए ग्राम प्रधान ने पहले तो जांच करने से रोका नही मानने पर गाली गलौज के साथ एपीओ से जमकर अभद्रता की।एपीओ ने मामले की शिकायत थाना धनपतगंज पर की है। एपीओ की तहरीर पर धनपतगंज थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। थाना धनपतगंज के भरसड़ा गांव में इंटरलाकिंग सड़क निर्माण की शिकायत ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से की।जिसका संज्ञान लेकर अधिकारियों के निर्देश पर एपीओ धनपतगंज मृत्युंजय श्रीवास्तव जब जांच करने जाने लगे तो रास्ते मे कार्य दिखाने की बात पर एपीओ पर भड़क गए।गाली गलौज पर उतारू हो गए।उसके बाद एपीओ ने कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।और निरीक्षण के बाद जब एपीओ ब्लॉक परिसर पहुंचे तो ग्राम प्रधान शिव गोपाल भी पीछे आ धमके और एपीओ से अभद्रता ही नही शुरू की बल्कि गाली गलौज पर उतर आए।जमकर अभद्रता की।आरोप है कि हाथ मे लिये कागज को भी छीनकर फाड़ दिया।अपने साथ हुई अभद्रता की । इस बाबत थानाध्यक्ष धनपतगंज राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बिबेचना कर कार्रवाई होगी।

पत्थर नसब के बाद कोई दखल दे तो दर्ज कराए एफआईआर–एसडीएम गामिनी सिंगला

बल्दीराय सुल्तानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय थाना समाधान दिवस अध्यक्षता कर रही एसडीएम आईएएस गामिनी सिंगला ने राजस्व निरीक्षकों को निर्देश दिया कि यदि पत्थर नसब से बाद भी यदि कोई व्यक्ति व्यवधान उत्पन्न करता है तो तुरंत एफआईआर पंजीकृत करवाये

शनिवार को थाना समाधान दिवस में कुल 09 शिकायतें आई शिकायतों को उपजिलाधिकारी ने मातहतों को अग्रेसित करते हुए समय सीमा के अन्दर निस्तारण करने को आदेश दिया।थाना समाधान दिवस में एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। एसडीएम ने कहा कि किसान जल्दी ही फार्मर रजिस्ट्री करवा ले ताकि किसान

सम्मान निधि का लाभ मिल सके

समाधान दिवस में ट्रेनी सीओ थाना प्रभारी आशुतोष कुमार ने भी फरियादियों की समस्याएं सुनीं।इस मौके पर इंस्पेक्टर धीरज कुमार,वलीपुर चौकी इंचार्ज अनिल सक्सेना, देहली चौकी इंचार्ज सुनील सिंह यादव,एसआई मोहन सिंह राणा सहित राजस्व निरीक्षक अब्दुल हमीद, लेखपाल संतराम यादव, कमलेश यादव,अमित यादव, कमलेश सरोज,राघव राम यादव,संदीप तिवारी आदि मौजूद रहे।

सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता – सीएम योगी

अयोध्या(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता है। सत्य एक दिन उजागर होगा। देश–दुनिया सत्य के रूप में अयोध्या में रामजन्मभूमि पर प्रभु रामलला के भव्य मंदिर देख रही है। प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण दुनिया में दबी–कुचली सभ्यता व संस्कृति के लिए संदेश भी है कि लोकतांत्रिक, संविधान सम्मत तरीके से अधिकार लिए जा सकते हैं। अयोध्या में रामजन्मभूमि के लिए हुए अनगिनत बलिदान व उन सब मूल्यों के साथ अग्निपरीक्षा के दौर से बार–बार गुजरने के बाद भी धैर्य न खोना इस अभियान का हिस्सा रहा है। विश्वास है कि हम सब इस पथ के अनुगामी बनेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्रीरामलला के श्रीविग्रह की प्राण– प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आयोजित प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम के उपरांत अपनी बातें रखीं। अंगद टीले में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि की। सीएम ने अशोक सिंहल को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू पंचांग के अनुसार श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु रामलला की मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा प्रतिष्ठा–द्वादशी के रूप में त्रिदिवसीय आयोजन का शुभारंभ किया गया है। 22 दिसंबर 1949, रामलला का अपनी जन्मभूमि में प्रकटीकरण होना, इस पूरी लड़ाई की पृष्ठभूमि को आगे बढ़ाता हुआ आज इन स्थितियों में पहुंचा कि प्राण–प्रतिष्ठा के एक वर्ष के उपरांत आज मंगलगान के साथ अभिभूत होकर हम सभी गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। इसके उपरांत भी अनेक तिथियां आईं, जिस पर न्यायसंगत तरीके से मर्यादा के अनुसार धैर्य की अग्निपरीक्षा देते हुए हर भारतवासी गुजरा, लेकिन ध्येय सबका रहा कि प्रभु श्रीरामलला विराजमान हों। सीएम ने कहा कि इसका शुभारंभ 9 नवंबर 2019 को हुआ, जब न्यायपालिका ने सर्वसम्मत से निर्णय सुनाया कि अयोध्या में जहां विवादित ढांचा था, वह रामजन्मभूमि है। वहां ट्रस्ट गठित करते हुए प्रभु के भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए। 5 अगस्त 2020 को इसी अयोध्या धाम में आकर पीएम मोदी ने प्रभु रामलला के भव्य राममंदिर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 22 जनवरी 2024 (पौष शुक्ल द्वादशी) के दिन पीएम मोदी ने देश भर से आए हर तबके के नेतृत्ववर्ग की उपस्थिति व संतों के सानिध्य में 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए रामलला को उनकी जन्मभूमि में प्रतिष्ठित कराने का कार्य किया था। सीएम ने कहा कि रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के उपरांत औसतन प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालुओं का आगमन अयोध्या धाम में हो रहा है। आज अयोध्या जिस रूप में है, वह किसी से छिपी नहीं है। दस वर्ष पहले किसी ने अयोध्या के बारे में नहीं सोचा था कि इसे इसका अधिकार प्राप्त होना चाहिए। 2014–2017 के पहले अयोध्या को बमुश्किल तीन–चार घंटे बिजली मिलती थी। राम की पैड़ी में सरयू जी का जल सड़ता रहता था। हजारों वर्ष पहले लंका पर विजय प्राप्त करने के उपरांत भगवान पुष्पक विमान से अयोध्या पधारे थे। हजारों वर्ष बाद भी अयोध्या में एयरपोर्ट नहीं था, लेकिन आज अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। अयोध्या की सड़कें (फोरलेन, सिक्सलेन) त्रेतायुग का स्मरण करा रही हैं। सरयू मैया के घाट अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। राम की पैड़ी में अब सरयू जी का जल सड़ता नहीं। सीएम ने कहा कि अयोध्या अब अयोध्या होने का अहसास कराती है। सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या देश की पहली सौलर सिटी बन चुकी है। यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है तो नए उत्तर प्रदेश की नई अयोध्या अपने तीर्थ होने के गौरव के साथ पूरे देश को अपने साथ जोड़ रही है। यह एक दिन में नहीं हुआ, इसके लिए लंबे संघर्ष को बढ़ाना पड़ा। दर्जनों पीढ़ियां चली गईं, लेकिन एक ही कामना थी कि अयोध्या में प्रभु रामलला को विराजमान होता देख सकें। कई संत व भक्त अधूरी कामना लिए चले गए, लेकिन उनका संकल्प दृढ़ था। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इन तिथियों को आंखों से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उन अनगिनत रामभक्तों, कारसेवकों व पूज्य संतों के ऋणी हैं, जो संघर्ष के साथ अग्नि परीक्षा के दौर से गुजरते हुए भी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए। 1528 से छह दिसंबर 1992 तक हर 15–20 वर्ष के अंतराल में हिंदू समाज अपनी जन्मभूमि को वापस प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य और संघर्ष करता रहा। जिस भाषा में शासन तंत्र समझता रहा, उस भाषा में समझाने का कार्य करता रहा। हर किसी का एक ही ध्येय था कि राममंदिर का निर्माण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब इतिहास को देखते हैं तो मन भावुक हो जाता है, लेकिन परिणाम देखकर खुशी होती है कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि हमारी तीन–तीन पीढ़ी इस अभियान के साथ जुड़ी रही। पूज्य महंत दिग्विजयनाथ महाराज को मैं नहीं देख पाया, लेकिन पूज्य गुरुदेव से सुनता था। मुझे याद है कि 2014 में पूज्य गुरुदेव की अंतिम सांसें चल रही थीं। हॉस्पिटल में अशोक सिंहल जी से गुरुदेव की आखिरी बातचीत हुई। उस दौरान गुरु जी कई दिनों से बोल नहीं रहे थे। अशोक जी को एक घंटे तक देखते रहे, फिर कहा कि राम मंदिर बन जाएगा न, अशोक जी ने कहा कि आप स्वस्थ होइए। मंदिर जरूर बनेगा। इस आश्वस्ति के कुछ दिन बाद ही गुरुदेव ने अपनी भौतिक देह का विश्राम कर दिया था। बाबा अविरामदास, पूज्य परमहंस रामचंद्र दास महाराज, शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, संतों की अविरल परंपरा और आरएसएस से जुड़े यशस्वी नेतृत्व का अनवरत सिलसिला चलता रहा। आज हम अहसास कर रहे हैं कि जन्मभूमि के लिए चला आंदोलन सार्थक लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोई भी अयोध्या आता है तो अभिभूत होकर जाता है। पांच, दस वर्ष पहले जिसने अयोध्या देखी होगी, वह अब देखकर कहता है कि यह त्रेतायुग का अहसास करा रही है। एक–दो साल बाद जब रामजन्मभूमि का परिसर भव्यतम रूप में आएगा तो अयोध्या धाम दुनिया के सबसे सुंदरतम, आध्यात्मिक, धार्मिक धाम और दुनिया की वैभवशाली नगरी के रूप में विकसित होने जा रहा है।

सीएम ने कहा कि चार वर्ष के दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने न दिन देखा, न रात। धूप देखी न बरसात। बिना किसी की परवाह किए इनका केवल एक ही ध्येय रहा कि रामलला के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम से जुड़ने के साथ मंदिर को भव्य स्वरूप देना। कोटि–कोटि रामभक्तों के अनुरूप यहां व्यवस्था दी गई। न्यास अहर्निश लगकर कार्य कर रहा है। भक्तों की इच्छा के अनुरूप सुविधाओं को आगे बढ़ाने का काम मजबूती के साथ चल रहा है। पूरा परिसर एक बार भव्य रूप में आ जाएगा तो सनातन धर्म के धार्मिक स्थलों को किस रूप में भव्य होना चाहिए, वह दृश्य दिखेगा। श्रीराम जन्मभूमि का यह भव्य मंदिर सनातन धर्म के सभी स्थलों के लिए नई प्रेरणा का केंद्रबिंदु बनने वाला है।

छह वर्षीय बालक मोहब्बत को सम्मानित करते सीएम योगी

सीएम योगी ने किया मोहब्बत को सम्मानित

अयोध्या।(आरएनएस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामलला सरकार के श्रीविग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के उपरांत कार्यक्रम में मंच पर छह वर्ष के बालक मोहब्बत को सम्मानित किया। मोहब्बत पंजाब के पाकिस्तान बॉर्डर के फाजिल जिले के अबोहर कस्बे से शुक्रवार को अयोध्या के सरयू तट पर पहुंचा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंच पर बताया कि इस बालक ने 14 नवंबर से दौड़ लगाना प्रारंभ किया। लगभग 1200 किमी. दूर दौड़ लगाकर यह अयोध्या आया है। इसने प्रतिदिन 19–20 किमी. दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री ने बालक मोहब्बत को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सीएम ने उसे चॉकलेट भी प्रदान किया और उसका हालचाल पूछकर हौसलाअफजाई भी की।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित करते कांग्रेसी

अयोध्या(आरएनएस)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल तथा संचालन जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने किया। अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा शास्त्री जी सादगी और विनम्रता की मिसाल थे। उनका संपूर्ण जीवन इस देश के लिए समर्पित रहा। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा स्वराज के प्रति उनका दर्शन, संकल्प तथा राष्ट्र निर्माण के लिए उनके प्रयासों हेतु यह देश उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा तथा राष्ट्र निर्माण के लिए उनके आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। संचालन कर रहे जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने देश के द्वितीय प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री कि पुण्यतिथि पर उनको याद करते हुए कहा कि जय जवान, जय किसान नारा देकर उन्होंने राष्ट्र को एक नई दिशा दिया। उनके विचार सदैव प्रेरणा दायक रहेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा सतीश सिंह सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुरेंद्र प्रताप सिंह सैनिक, प्रवीण श्रीवास्तव, उमेश उपाध्याय, कविंद्र साहनी, राजकुमार पांडे आदि उपस्थित रहे।

श्री रामलाल के प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर आयोजनों की धूम

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ द्वादशी के शुभ अवसर पर जिले में विविध कार्यक्रमों एवं आयोजनों की धूम मच गई है, जिसके क्रम में मिल्कीपुर क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत गोकुला में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें भारी संख्या में गरीबों निराश्रितों एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास एवं समृद्धि पहल संस्थान के अध्यक्ष आशुतोष सिंह के द्वारा आयोजित किया गया। संस्था द्वारा कोरोना काल में भी गरीबों को घर–घर राशन वितरित किया था। संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष विद्यालयों में अध्यनरत नौनिहालों को स्टेशनरी वितरित की जा रही है। इसके अलावा सीलिंग फैन, ट्राई साइकिल, वाटर कूलर वितरित किया जा चुका है। आशुतोष सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका में वैज्ञानिक हमारे चाचा डॉ हरि प्रताप सिंह एवं उनकी पत्नी अर्चना सिंह के मार्गदर्शन में हो रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के गोकुला, पूरे बेचई, पूरे छीटन, बिशनपुर तथा दोदा का पुरवा गांव में 500 लोगों को कंबल वितरित किया गया है। इस मौके पर सुरेंद्र बहादुर सिंह, सिद्धार्थ आशुतोष सिंह, ईशानी सिंह, राजेश गुप्ता, अजय यादव, लालचंद चौहान सहित सैकड़ो ग्रामीण एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

नौजवानों को सेनानी बिगुलर से लेनी चाहिए प्रेरणा – गिरीश चन्द्र तिवारी

–पुण्यतिथि सेनानी महाबीर प्रसाद गुप्ता 'बिगुलर' को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अयेध्या(आरएनएस)। जनपद में असंख्य सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लड़ाईयाँ लड़ीं उन्हीं सेनानियों ने प्रख्यात सेनानी महाबीर प्रसाद गुप्ता 'बिगुलर' ने अंग्रेजों के जंग छेड़ रखी थी जिसके कारण उन्हें कई बार जेल की कालकोठरी में डाला गया। उक्त उद्गार व्यक्त करते हुये स्थानीय कचेहरी स्थिति सेनानी भवन में सेनानी बिगुलर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये, अधिवक्ता संघ अयोध्या के महामंत्री गिरीश चन्द्र तिवारी ने आगे कहा कि आज के नौजवानों को सेनानी बिगुलर से प्रेरणा लेनी चाहिए। वहीं श्रद्धांजलि समारोह को सम्बोधित करते हुये अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष चन्द्र भान सिंह ने कहा कि शहीदों व सेनानियों के बलिदान व उनके त्याग के रूप में जो हम सब पर उनका जो ऋण है वह देश कभी चुका नही सकता, सेनानी बिगुलर ने अपने जीवन का सर्वस्य न्यौछावर कर रखा था आजादी की लड़ाई में। समारोह को सम्बोधित करते हुये अधिवक्ता आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि बिगुलर जी ने फैजाबाद के स्वतन्त्रता आन्दोलन को एक नई दिशा व एक नई पहचान दी थी। आज आवश्यक्ता है कि जनपद के आजादी के इन दिवानों का एक संकलित इतिहास समाज के सामने रखा जाय जिससे आने वाली पीढ़ी इनके बारे में विस्तार से जान सके। अपने सम्बोधन में अधिवक्ता सोमनाथ तिवारी ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपने आने वाली पीढ़ी के सामने आजादी के इन सिपाहियों की गौरव गाथा प्रस्तुत करें। समारोह का संचालन करते हुए सेनानी परिषद के सचिव मनोज मेहरोत्रा ने सेनानी बिगुलर के जीवन गाथा से उपस्थित लोगों को परिचित कराते हुये उनके कार्यों और उनकी कार्यशैली से लोगों को परिचित कराया। उक्त अवसर पर बोलते हुए सेनानी के ज्येष्ठ पौत्र केशव बिगुलर ने कहा कि दादा जी सदैव विषम परिस्थित में भी हम सब का हौसला बढ़ाते रहे। जिस कारण हम और हमारे साथी सेनानी वंशजगण सदैव शहीदों व पूर्वजो के बताये मार्ग पर चलकर हम सेनानियां और उनके परिजनों के लिए और राष्ट्रहित में कार्य कर रहे हैं। समारोह को भाजपा नेता पूर्व पार्षद अनुभव जायसवाल, अधिवक्ता परिषद् अवध प्रांत उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एडवोकेट सेनानी आश्रित प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव ,कांग्रेस के उग्रसेन मिश्रा, अशोक कनौजिया व कर्मचारी नेता कपिल देव ने भी सम्बोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में अमर प्रकाश सिंह एडवोकेट, विपिन यादव एडवोकेट, करमजीत सिंह, शिव मोहन अग्रहरि, आशीष अग्रहरि

, रामतेरस कसौधन, योगेश पाण्डेय, सुनील दत्त सूर्य, सुल्तान अजहर, शशिधर पाण्डेय एवं आलोक द्विवेदी आदि तमाम गणमान्य बन्धुओं ने भी अमर सेनानी को अपनी भावभीनी श्रद्धान्जलि अर्पित की, वही तमाम प्रमुख बुद्धिजीवी, पत्रकार बन्धु एवं अधिवक्तागण मुख्य रूप से कार्यक्रम में शामिल रहे।

पीडीए फार्मूला अपनाकर सपा प्रत्याशी को जिताने का लिया संकल्प

–समाजवादी युवजनसभा की बैठक में मिल्कीपुर उपचनुव पर हुई चर्चा

अयोध्या।(आरएनएस) समाजवादी पार्टी कार्यालय गुलाबबाड़ी पर समाजवादी युवजनसभा की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी मिल्कीपुर विधान सभा के उपचुनाव पर विशेष चर्चा हुई तथा युवजनसभा के सभी पदाधिकारियों को विधान सभा के चुनाव पर जमीनी स्थल पर काम करने की रणनीति बनी। मौजूद सभी पदाधिकारियों ने मिल्कीपुर विधान सभा में अखिलेश यादव के पीडीए फार्मूला अपनाकर पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद जी को जीत दिलाने का संकल्प लिया। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जयसिंह यादव ने कहा कि मिल्कीपुर पूर्व सांसद स्व. मित्रसेन यादव के विचारों से लैस क्रान्तिकारी कार्यकर्ताओं की धरती है। वहाँ भारतीय जनता पार्टी प्रशासन के बल पर चुनाव लड़ रही है। सरकारी तन्त्र का दुरूपयोग करके चुनाव को प्रभावित करना चाहती है। लेकिन वहाँ की सम्मानित जनता, पार्टी कार्यकर्ता व स्व. मित्रसेन यादव के लोग भारतीय जनता पार्टी को मुँहतोड़ जवाब देने का काम करेंगे और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद की जीत सुनिश्चित करायेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयसिंह यादव व संचालन शुएैब खान ने किया। चौ. बलराम यादव ने बताया कि इस अवसर पर प्रवीण सिंह, अतुल यादव, अनुभव रावत, दीपक यादव, वीरेन्द्र कुमार, रामदुलारे, पंकज शर्मा, महमूद खाँ, दानिश खाँ, आयुषमान सिंह, विजय कुमार, हरिनाथ यादव, रहे।

तुलसी उद्यान में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर

अयोध्या(आरएनएस)। राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर तुलसी उद्यान के प्रांगण में निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर होम्योपैथ यूनानी और योग से संबंधित चिकित्सकों ने आए हुए मरीजों को निशुल्क सलाह और दवाई उपलब्ध कराई गई। जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ अजय कुमार गुप्ता ने बतलाया कि प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भी एक महीने तक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था,

सम्पादकीय

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं। यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है। यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते–घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है। आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं।

चुनावी रैलियों में अक्सर राजनीतिक बयानबाजी में महिलाओं को निशाना क्यों बनाया जाता है?

– योगेन्द्र योगी

सार्वजनिक जीवन में महिलाएं पहनावे, वजन, रूप रंग या बर्ताव को लेकर भी अक्सर और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। चुनावी रैलियों में अक्सर राजनीतिक बयानबाजी में महिलाओं को निशाना बनाया जाता रहा है। महिलाओं की मर्यादा और सशक्तिकरण की पैरवी करने वाले नेता चुनाव आते ही सब कुछ भूल जाते हैं। नेता महिलाओं को चुनाव के दौरान हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने से बाज नहीं आते। महिलाओं के लिए अमर्यादित भाषा का उपयोग करने में किसी भी दल के नेता पीछे नहीं हैं। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दल अपने नेताओं का व्यक्तिगत बयान कह कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। ऐसे में यदि नेता को लगता है कि ज्यादा विवाद हो गया है और इससे विशेषकर महिला वोटों का नुकसान हो सकता है तो बेशर्मी के साथ माफी मांग ली जाती है। ऐसे भी नेताओं की कमी नहीं है जिन्हें महिलाओं के प्रति ओछी टिप्पणी करने पर किसी तरह आत्मग्लानि नहीं होती, उल्टे वे रावण की तरह अहंकारी बन कर माफी मानने से साफ इंकार कर देते हैं। महिलाओं के प्रति किए गए अपमान की इस फेहरिस्त में एक ओर नेता का नाम जुड़ गया है। भाजपा के कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रमेश बिधुड़ी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद वह क्षेत्र की सड़कों को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के श्गालश जैसी बना देंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा यदि उनकी टिप्पणियों से किसी को ठेस पहुंची है तो वह खेद प्रकट करते हैं। प्रियंका गांधी पर की गई भद्दी टिप्पणी पर भाजपा के मौन साधने से विधूड़ी के हौसले और बुलंद हो गए। इसके बाद दिल्ली के रोहणी में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री आतिशी पर निजी हमला करते हुए बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी जो कि मारलेना थीं, अब वह सिंह बन गई हैं। यहां तक कि उन्होंने अपने पिता को बदल दिया। बिधूड़ी ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी के चरित्र को दर्शाता है। बिधूड़ी के कथित बयान पर दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, श्भाजपा महिला विरोधी है, यह एक खुला रहस्य है और यह चिंता का विषय है कि यही भाजपा दिल्ली की कानून व्यवस्था की प्रभारी है। सार्वजनिक जीवन में महिलाएं पहनावे, वजन, रूप रंग या बर्ताव को लेकर भी अक्सर और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार

होती रही हैं। चुनावी रैलियों में अक्सर राजनीतिक बयानबाजी में महिलाओं को निशाना बनाया जाता रहा है। वर्ष 2012 में नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में कांग्रेस नेता शशि थरूर की पत्नी सुनंदा थरूर के बारे में कहा था कि वाह क्या गर्लफ्रेंड है। आपने कभी देखी है 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड। इस पर पलटवार करते हुए शशि थरूर ने जवाब दिया था कि मोदी जी मेरी पत्नी 50 करोड़ की नहीं बल्कि अनमोल है, लेकिन आप को यह समझ में नहीं आएगा क्योंकि आप किसी के प्यार के लायक नहीं हैं। वर्ष 2012 दिसंबर में दिल्ली में निर्भया गैंगरेप के बाद पश्चिम बंगाल के जांगीपुर से कांग्रेस सांसद अभिजीत मुखर्जी ने इस मुद्दे पर कहा था कि विरोध में प्रदर्शनों में हिस्सा ले रही छात्राएं सजी–संवरी महिलाएं हैं, जिन्हें असलियत के बारे में कुछ नहीं पता। मुखर्जी ने कहा कि ये सजी संवरी महिलाएं पहले डिस्कोथेक में गईं और फिर इस गैंगरेप के खिलाफ विरोध दिखाने इंडिया गेट पर पहुंची। हालांकि इसके बाद सांसद मुखर्जी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी। वर्ष 2018 में जया बच्चन को समाजवादी पार्टी की ओर से राज्य सभा में फिर से नामांकित किया गया तो भाजपा नरेश अग्रवाल ने जया बच्चन को फिल्मों में नाचने वाली बताया। इसी तरह वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में आधार पर बयान के दौरान कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की हंसी पर मुस्कुराते हुए कहा था कि ष्सभापति जी रेणुका जी को आप कुछ मत कहिए रामायण सीरियल के बाद ऐसी हंसी सुनने का आज सौभाग्य मिला है। बाद में केंद्र सरकार में राज्यमंत्री किरण रिजीजू ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर कर रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना रामायण के किरदार शूर्पणखा से कर डाली। इसके बाद भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने रामायण में शूर्पणखा की नाक काटे जाने का

जहां स्वामी विवेकानन्द को मिली थी वैश्विक पहचान

शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे–बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। भारत में रियासतों के विलीनीकरण से पूर्व राजस्थान में खेतड़ी एक सुविकसित रियासत थी। चारों तरफ फैले खेतड़ी के यश की चर्चा सुनकर ही विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने एक बार खेतड़ी पर भी आक्रमण किया था। मगर उसके उपरान्त भी खेतड़ी की शान में कोई कमी नहीं आयी थी। खेतड़ी के सभी राजा साहित्य एवं कला पारखी व संस्कृति के प्रति आस्थावान रहे थे। वे शिक्षा के विकास व विभिन्न क्षेत्रों को प्रकाशमान करने की दिशा में सदैव सचेष्ट रहते थे। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यस्थली के रूप में जानी जाती रही है। खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। राजा अजीतसिंह ने माऊन्ट आबू में एक नया महल खरीदा था। गर्मी में राजा उसी महल में ठहरे हुये थे। उसी दौरान 4 जून 1891 को उनकी युवा सन्यासी विवेकानन्द जी से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीतसिंह उस युवा संन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि राजा ने उस युवा संन्यासी को अपना गुरू बना लिया तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया। जिसे संन्यासी ठुकरा नहीं सके। स्वामी विवेकानन्द 7 अगस्त 1891 को प्रथम बार खेतड़ी आये। खेतड़ी में स्वामीजी 27 अक्टूबर 1891 तक रहे। स्वामीजी ने राजा अजीतसिंह को उदार व विशाल बनने के लिए आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही स्वामी विवेकानन्द ने राजपण्डित नारायणदास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का 'अष्टाध्यायी' व पातंजलि का 'महाभाष्याध्यायी' का अध्ययन किया। स्वामीजी ने व्याकरणाचार्य और पाण्डित्य के लिए विख्यात नारायणदास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हे मेरे गुरु कहकर सम्बोधित किया था। अमेरिका जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह के निमंत्रण पर 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। स्वामी जी इस दौरान 10 मई 1893 तक खेतड़ी में प्रवास किया। यह स्वामी जी की दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन नरेश अजीत सिंह व स्वामीजी फतेहविलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर सन्यासी होने के नाते स्वामीजी उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने स्वामी जी से आग्रह किया कि स्वामीजी आप भी विराजें। मैं यहां भजन सुनाउंगी। इस पर स्वामीजी बैठ गये। नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन प्रभू मोरे अवगुण चित न धरो । समदरसी है नाम तिहारो चाहे तो पार करो सुनाया तो स्वामीजी की आंखों में पश्चाताप मिश्रित आंसुओं की धारा बह निकली और उन्होंने उस पतिता नारी को ज्ञानदायिनी मां कहकर सम्बोधित करते हुये कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। इस भजन को सुनकर ही स्वामीजी सन्यासोन्मुखी हुए ओर जीवन पर्यन्त सद्भाव से जुड़े रहने का व्रत धारण किया। 10 मई 1893 को स्वामजी मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने को प्रस्थान किया। महाराजा अजीतसिंह के आर्थिक सहयोग से ही स्वामी विवेकानन्द अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदान्त की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया। इस बात का पता बहुत कम लोगों को है कि स्वामीजी का स्वामी विवेकानन्द नाम भी राजा अजीतसिंह ने रखा था। इससे पूर्व स्वामीजी का अपना नाम विविदिषानन्द था। शिकागो जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह ने स्वामीजी से कहा आपका नाम बड़ा कठिन है। उसका अर्थ नहीं समझा जा सकता है। उसी दिन राजा अजीतसिंह ने उनके सिर पर साफा बांधा व भगवा चोगा पहना कर नया वेश व नया नाम स्वामी विवेकानन्द प्रदान किया था। जिसे स्वामीजी ने जीवन पर्यन्त धारण किया। आज भी लोक उन्हें राजा अजीतसिंह द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानन्द नाम से ही जानते हैं। शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे–बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। उस वक्त स्वामी जी को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो–दो सिक्के भेंट किये व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हाल में स्वामी जी का स्वागत किया। सर्वधर्म सम्मेलन से लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद जब खेतड़ी आए तो राजा अजीत सिंह ने उनके स्वागत में शहर में चालीस मण देशी घी के दीपक जलवाए थे। इससे भोपालगढ़, फतेहसिंह महल, जयनिवास महल के साथ पूरा शहर जगमगा उठा था। 20 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में स्वामी विवेकानन्द जी ने खेतड़ी में सावजनिक रूप से भाषण दिया जिसे सुनने हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उस भाषण को सुनने वालों में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह के साथ काफी संख्या में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुये। 21 दिसम्बर 1897 को स्वामीजी खेतड़ी से प्रस्थान कर गये। स्वामी विवेकानन्द जी ने एक बार कहा था कि यदि खेतड़ी के राजा अजीतसिंह जी से उनकी

भेंट नही हुयी होती तो भारत की उन्नति के लिये उनके द्वारा जो थोड़ा बहुत प्रयास किया गया उसे वे कभी नहीं कर पाते। स्वामी जी राजा अजीतसिंह को समय–समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरण देते रहते थे। राजा अजीतसिंह और स्वामी विवेकानन्द के अटूट सम्बन्धों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती है। स्वामीजी का मानना था कि यदि राजा अजीतसिंह नहीं मिलते तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। स्वामी जी ने माना था कि राजा अजीतसिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे। स्वामी जी के आग्रह पर राजा अजीत सिंह ने स्वामी की माता भुवनेश्वरी देवी को 1891 से सहयोग के लिये 100 रूपये प्रतिमाह भिजवाना प्रारम्भ करवाया था जो अजीतसिंह जी की मृत्यु तक जारी रहा। स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 में व मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुयी थी। इसी तरह राजा अजीतसिंह जी का जन्म 10 अक्टूबर 1861 में व मृत्यु 18 जनवरी 1901 को हुयी थी। दोनो का निधन 39 वर्ष की उम्र में हो गया था व दोनो के जन्म व मृत्यु का समय में भी ज्यादा अन्तर नहीं था। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता है। उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए यह संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणास्रोत, समाज सुधारक, युवा युगपुरुष स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। इनके जन्मदिन को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी देश के युवा उसका भविष्य होते हैं। उन्हीं के हाथों में देश की उन्नति की बागडोर होती है। स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवा भावी संगठन की स्थापना की। जिसकी राजस्थान में प्रथम शाखा खेतड़ी में 1958 को राजा अजीतसिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह द्वारा खेतड़ी प्रवास के दौरान स्वामी जी के ठहरने के स्थान स्वामी विवेकानन्द स्मृति भवन में प्रारम्भ करवायी गयी। मिशन द्वारा खेतड़ी में गरीब तथा पिछड़े बालक–बालिकाओं के लिए श्री शारदा शिशु विहार नाम से एक बालवाड़ी, सार्वजनिक पुस्तकालय, वाचनालय एवं एक मातृ सदन तथा शिशु कल्याण केन्द्र भी चलाया जा रहा है। खेतड़ी चौराहे पर तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने 1996 में स्वामी विवेकानन्दजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया था। जिससे आनेवाली पीढियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी खेतड़ी में रामकृष्ण मिशन का दौरा कर स्वामी विवेकानन्द जी से जुड़ी यादों का अवलोकन कर चुके हैं।

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस, फिर से फंस गए हैं राहुल गांधी

–संतोष पाठक

राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। देश की राजनीति के मैदान में राहुल गांधी को लगातार गलतियां करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। कई बार तो राहुल गांधी जीता हुआ चुनाव भी हार जाते हैं। आरोप तो यहां तक लगाया जाता है कि राहुल गांधी के इर्द–गिर्द जो नेता रहते हैं, वे चाहते ही नहीं है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव जीते। इसलिए कांग्रेस के नेता लगातार राहुल गांधी को अजब–गजब फैसले लेने के लिए उत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं। राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस डै फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी ,जहां–जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर,एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है। मंडल–कमंडल की राजनीति के दौर के बाद ओबीसी यानी अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस से विमुख हो चुके हैं और इनकी वापसी की संभावना फिलहाल दूर–दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के इस फॉर्मूले का असफल होना तय माना जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए डै की बजाय ठक्ड के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल

नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं। ठक्ड फॉर्मूले का मतलब है – ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा। लेकिन इसके लिए कांग्रेस को ठक्ड फॉर्मूले के – ब्राह्मण और दलित को भी अपने साथ जोड़ना होगा। दिल्ली का दलित आज की तारीख में अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा है और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के मान–सम्मान की लड़ाई को और ज्यादा तेज करना पड़ेगा। ब्राह्मण मतदाताओं की बात करें तो दिल्ली में यह समाज आज की तारीख में भाजपा, आप और कांग्रेस – तीनों ही पार्टियों में बंटा हुआ है। राहुल गांधी अगर थोड़ी सी कोशिश भी करेंगे तो अन्य राजनीतिक दलों के ओबीसी राग से नाराज ब्राह्मण समाज पूरी तरह से कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आएगा। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर कर पहली जनसभा कर सकते हैं। राहुल गांधी को जोर–शोर से दिल्ली में चुनावी जनसभाएं, रोड शो और रैलियां करनी ही चाहिए। लेकिन उन्हें कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार अभियान को ठक्ड केंद्रित ही बनाना चाहिए और इसे जमीनी धरातल पर उतर कर क्रियान्वित भी करना चाहिए। गौर करने वाली बात यह है कि ब्राह्मण मतदाताओं का बड़े पैमाने पर साथ आना अन्य अगड़ी जातियों को भी कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रेरित कर सकता है।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते यूपी सर्वाधिक लाभान्वित राज्य

अयोध्या तो इसका उदाहरण मात्र है। पर्यटकों की पसंद की अन्य जगहों पर भी कमोबेश यही स्थित है। एशिया का सबसे बड़ा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी तेजी से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के पसंदीदा स्थल के रूप में उभरा है। उत्तर प्रदेश में पर्यटन के साथ हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी बूम पर है। हॉस्पिटैलिटी और इससे जुड़े सेक्टर्स में लगातार रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक लाभान्वित राज्य है। ग्लोबल हायरिंग इनडीड की एक रिपोर्ट के अनुसार 2023 में टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की रिक्तियों में 50 फीसद की वृद्धि देखी गई। अगले कुछ वर्षों तक इसमें 24 फीसद तक की और वृद्धि संभव है। इसका स्वाभाविक लाभ अयोध्या, वाराणसी, ब्रज और जेवर आदि और इनके आसपास के शहरों को मिलेगा। मसलन, राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद से ही अयोध्या हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का पसंदीदा स्थल बन कर उभरा है। कई नामचीन ब्रांड वहां होटल बनाने को लालायित हैं। ताज सहित दो दर्जन से अधिक होटलों के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है। स्थानीय होटल भी अपनी क्षमता के अनुसार अपनी प्रॉपर्टी के विस्तार और बेहतरी में लगे हैं। अयोध्या तो इसका उदाहरण मात्र है। पर्यटकों की पसंद की अन्य जगहों पर भी कमोबेश यही स्थित है। एशिया का सबसे बड़ा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी तेजी से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के पसंदीदा स्थल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा तो पर्यटन को स्थानीय लोगों से जोड़कर इसे जन उद्योग बनाने की है।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे–जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे–वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता–पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है। पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचौट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास

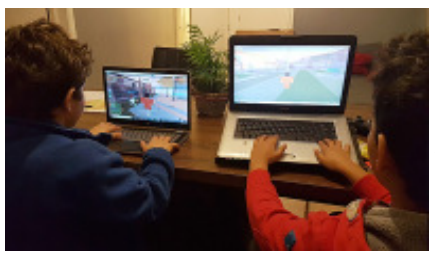

किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया। इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद जरूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा–चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता–पिता के पालन–पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन–पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता–पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन–पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

भारत–अमेरिका संबंध आज जिस मुकाम पर है वह बाइडन प्रशासन की अहम उपलब्धि

वाशिंगटन ।
जेक सुलिवन ने कहा कि भारत–अमेरिका संबंध आज जिस मुकाम पर है, वह बाइडन प्रशासन की एक अहम उपलब्धि है। उन्होंने साथ ही स्वीकार किया कि भारत के साथ संबंधों में उतार–चढ़ाव भी आए, जैसे कि भारत सरकार के एक अधिकारी द्वारा एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की कथित साजिश के मुद्दे पर। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि भारत–अमेरिका संबंध आज जिस मुकाम पर है, वह बाइडन प्रशासन की एक अहम उपलब्धि है। उन्होंने साथ ही स्वीकार किया कि भारत के साथ संबंधों में उतार–चढ़ाव भी आए, जैसे कि भारत सरकार के एक अधिकारी द्वारा एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की कथित साजिश के मुद्दे पर। सुलिवन ने व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में एक गोलमेज बैठक के दौरान संवाददाताओं से कह कि मुझे लगता है कि अमेरिका–भारत संबंध आज जिस मुकाम पर है वह इस (बाइडन) प्रशासन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। (हिंद–प्रशांत) क्षेत्र में हमारे सहयोगियों और साझेदारों के बीच संबंधों की समग्र स्थिति और एकीकरण... हम अगले प्रशासन को दे रहे हैं।'' सुलिवन इस सप्ताह की शुरुआत में नयी दिल्ली से लौटे हैं। उन्होंने अपने भारत दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। उन्होंने बांग्लादेश में शासन परिवर्तन में अमेरिका की किसी भी भूमिका से इनकार किया। सुलिवन ने उम्मीद जताई कि खालिस्तानी चरमपंथी

गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की कोशिश का मामला अमेरिका की नयी सरकार के दौरान भी जारी रहेगा। अमेरिकी एनएसए ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमें इस तथ्य के बाद आगे बढ़ना था कि एक अमेरिकी नागरिक की हत्या का प्रयास किया गया। हमने उस पर काम किया है...।'' भारत–अमेरिका संबंधों में पिछले चार सालों में आए उतार–चढ़ाव के बारे में सुलिवन ने कहा,'' किसी भी रिश्ते में, किसी भी दोस्ती में, व्यापार और अर्थशास्त्र के मुद्दों पर, या जी20 घोषणापत्र के शब्दों को लेकर असहमति होगी, और हमें समझौता करने और समाधान के साथ आने के लिए काम करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ईमानदारी से, मैं कहूंगा कि संबंध वास्तव में चार वर्षों में मजबूत होते चले गए।

ईरान की जंगी तैयारी तेज, ट्रंप और नेतन्याहू को दिया सीधा मैसेज

ईरान की तरफ से ये घोषणा जनरल अली मोहम्मद नैनी की चेतावनी के कुछ दिनों बाद आई है कि ईरान इस महीने नए अभ्यास आयोजित करेगा। तस्नीम न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, नैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि भूमिगत शहर शामिल होगा जो मिसाइलों और ईरान के दक्षिण में जहाजों को समायोजित करने वाली एक अन्य सुविधा का भंडारण करेगा। अमेरिका और इजरायल की तरफ से न्यूक्लियर साईट्स को निशाना बनाए जाने की चर्चाओं के बीच ईरान ने जंग की तैयारी शुरू कर दी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने एक भूमिगत मिसाइल भंडारण सुविधा का अनावरण किया है। तस्नीम न्यूज की रिपोर्ट के अनुसारतेहरान ने घोषणा की कि वह नई विशेष मिसाइलें बना रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें सुरक्षा बलों के कमांडर मेजर जनरल होसैन

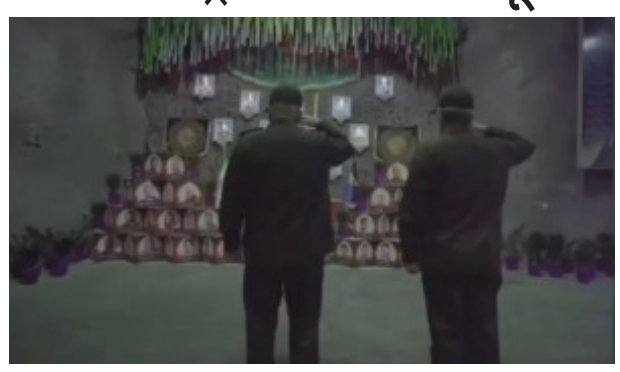

सलामी और ब्रिगेडियर जनरल अमीर अली हाजीजादेह दिख रहे हैं। ईरानी समाचार आउटलेट के अनुसार, अक्टूबर और अप्रैल में इजराइल के खिलाफ ईरान के कुछ ऑपरेशन इस भूमिगत मिसाइल बेस का उपयोग करके किए गए थे। ईरान के दक्षिण–पश्चिमी शहर अबादान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सलामी ने यह भी घोषणा की कि आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स नई विशेष मिसाइलें विकसित कर रही है। ईरान की तरफ से ये घोषणा जनरल अली मोहम्मद नैनी की चेतावनी के कुछ दिनों बाद आई है कि ईरान इस महीने नए अभ्यास आयोजित करेगा। तस्नीम न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, नैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि भूमिगत शहर शामिल होगा जो मिसाइलों और ईरान के दक्षिण में जहाजों को समायोजित करने वाली एक अन्य सुविधा का भंडारण करेगा। मीडिल ईस्ट में बढते तनाव के बीच जानकार ये मान रहे हैं कि ईरान का लक्ष्य यह दिखाना है कि उसने क्षेत्र में सत्ता नहीं खोई है। हालाँकि, कुछ ही महीनों में तेहरान को कई झटके लगे। लेबनान, गाजा और यमन में ईरान समर्थित सेनाएं अभी भी इजरायल के हमले का सामना कर रही हैं और ईरान के सहयोगी सीरियाई नेता बशर अल–असद के शासन के पतन ने देश को सदमे में छोड़ दिया है। सलामी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमारी प्रतिरोधक क्षमता किसी अन्य देश की कार्रवाई के आधार पर तैयार नहीं की गई है। पिछले साल अक्टूबर में, इजराइल ने कहा था कि उसने यहूदी राष्ट्र पर तेहरान द्वारा किए गए पहले हमलों के जवाब में ईरान के अंदर ईरानी मिसाइल निर्माण साइटों और हवाई रक्षा प्रणालियों पर हमला किया था। हमले के समय, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इजरायली हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए कहा कि वह अपनी रक्षा करने का हकदार और बाध्य है।ि दिलचस्प बात यह है कि यह वीडियो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से कुछ दिन पहले भी जारी किया गया था।

मैं डोनाल्ड ट्रंप को हरा देता, लेकिन...चुनाव के 2 महीने बाद राष्ट्रपति पद की रेस से हटने की जो बाइडेन ने बताई वजह

व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान जो बाइडेन से पूछा गया कि क्या आपको दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर पछतावा है? क्या आपको लगता है कि इससे आपके पूर्ववर्ती के लिए आपका उत्तराधिकारी बनना आसान हो गया? अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को रिपब्लिक डोनाल्ड ट्रंप से मिली हार के बाद अब निर्वतमान राष्ट्रपति जो बाइडेन का बड़ा बयान सामने आया है। जो बाइडेन ने कहा कि नवंबर में हुए आम चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप को हरा देते, लेकिन उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की एकता की खातिर बीच में ही दौड़ से हटने का फैसला किया। व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान जो बाइडेन से पूछा गया कि क्या आपको दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर

पछतावा है? क्या आपको लगता है कि इससे आपके पूर्ववर्ती के लिए आपका उत्तराधिकारी बनना आसान हो गया? जवाब देते हुए जो बाइडेन ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रम्प को हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रम्प को हरा सकती थी। पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं। बाइडेन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था, लेकिन मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता था जिसने ऐसी पार्टी को चुनाव हारा दिया जो एकजुट नहीं थी। और इसीलिए मैंने एक तरफ कदम बढ़ाया। लेकिन मुझे विश्वास था कि वह जीत सकती है। बाइडेन ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक ऐसा निर्णय है जिसके बारे में वह सोच सकती हैं। वह चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ने के लिए सक्षम है। यह निर्णय उन्हें ही लेना होगा। इस दौरान बाइडन से पूछा गया, क्या आप राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी सक्रिय रहने की योजना बना रहे हैं, या आप बुश मॉडल का अनुसरण करने जा रहे हैं, जहां आप लोगों की नजरों से ओझल रहेंगे? इसका जवाब देते हुए बाइडन ने कहा मैं न तो नजरों से ओझल होऊंगा और न ही दिलों से। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। उनकी जगह डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप बाइडन से पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

एआई सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस जाएंगे पीएम मोदी, राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया सारा प्लान

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार और प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि फ्रांस और यूरोप को वैश्विक एआई परिदृश्य के केंद्र में स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। मैक्रों ने वैश्विक चर्चा के विषय के रूप में एआई के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसमें अमेरिका, चीन और भारत जैसे देशों के साथ–साथ खाड़ी देश भी शामिल हैं, जिनकी एआई प्रौद्योगिकियों के विकास और विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 11 फरवरी तक फ्रांस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। राजदूतों के 30 वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए मैक्रों ने कहा कि फ्रांस एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एआई पर एक अंतरराष्ट्रीय बातचीत की अनुमति देगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी होंगे, जो हमारे देश में एक प्रमुख यात्रा पर जाएंगे क्योंकि हम एआई पर सभी शक्तियों के साथ बातचीत करना चाहते हैं। हमने भारत को आमंत्रित किया है और शिखर सम्मेलन से पहले हम भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फ्रांसीसी प्रेसीडेंसी ने एक बयान में कहा, गलत सूचना और एआई का दुरुपयोग ऐसे विषय हैं जिन पर ध्यान दिया जाएगा।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार और प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि फ्रांस और यूरोप को वैश्विक एआई परिदृश्य के केंद्र में स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। मैक्रों ने

वैश्विक चर्चा के विषय के रूप में एआई के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसमें अमेरिका, चीन और भारत जैसे देशों के साथ–साथ खाड़ी देश भी शामिल हैं, जिनकी एआई प्रौद्योगिकियों के विकास और विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका है। एआई शिखर सम्मेलन पांच महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा, जिनमें नवाचार और संस्कृति, वैश्विक एआई प्रशासन, एआई में सार्वजनिक हित, काम का भविष्य और एआई में विश्वास शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं, बड़ी और छोटी कंपनियों के सीईओ, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन, कलाकार और नागरिक संगठनों के सदस्य भाग लेंगे।

क्रेमलिन ने पुतिन से मुलाकात की ट्रंप की इच्छा का स्वागत किया

ट्रंप ने यूक्रेन युद्धमें अमेरिकी सहायता की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पुतिन यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए ''बहुत ही चतुर'' रणनीति अपनाई और ऐतिहासिक संघर्षों में रूस के सैन्य रिकॉर्ड की प्रशंसा की है। रूस ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की इच्छा का स्वागत किया है। रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने

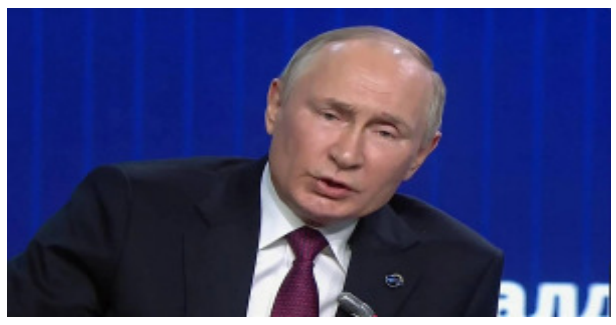

संवाददाताओं से कहा कि आमने–सामने की बातचीत की संभावना के लिए रूस की कोई शर्त नहीं है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था, ''पुतिन मिलना चाहते हैं और एक बैठक की तैयारी की जा रही है।'' उन्होंने संकेत दिया कि वार्ता के प्रस्तावों के पीछे रूस और यूक्रेन के बीच लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के प्रयास हैं। ट्रंप ने पुतिन के साथ अपनी संभावित मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, ''हमें उस युद्ध को खत्म करना होगा।'' ट्रंप ने यूक्रेन युद्धमें अमेरिकी सहायता की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पुतिन यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए ''बहुत ही चतुर'' रणनीति अपनाई और ऐतिहासिक संघर्षों में रूस के सैन्य रिकॉर्ड की प्रशंसा की है। पुतिन पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा युद्ध अपराधों का आरोप लगाया गया है। पेसकोव ने कहा, ''हम जानते हैं कि (बाइडन) प्रशासन ट्रंप और उनकी टीम के लिए द्विपक्षीय संबंधों में यथासंभव कठिन विरासत छोड़ने की कोशिश करेगा।

रूस पर प्रतिबंध लगाने से यूक्रेन को मदद मिलेगी– बाइडन

बाइडन ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हो सकता है कि गैस की कीमतें 0.03 से 0.04 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन तक बढ़ जाएं, लेकिन इससे रूस की युद्ध लड़ने की क्षमता पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।"अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका ने रूस पर बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए हैं ताकि यूक्रेन को अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने और मॉस्को के खिलाफ लड़ने में मदद मिल सके।डोनाल्ड ट्रंप को कमान सौंपने से दस दिन पहले, बाइडन प्रशासन ने शुक्रवार को उन कंपनियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए जो ऊर्जा, खास तौर पर गैस के निर्यात में रूस की मदद करती हैं। इनमें से दो कंपनियां भारत की हैं। प्रतिबंध से संबंधित सूची में कहा गया है कि दो भारतीय कंपनियों 'स्काईहार्ट मैनेजमेंट सर्विसेज' और 'एविजन मैनेजमेंट सर्विसेज' पर पाबंदी लगाई गई है। बाइडन ने एक सवाल के जवाब में कहा, "ये प्रतिबंध इसलिए लगाए गए हैं क्योंकि इनका रूसी अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ेगा तथा पुतिन के लिए युद्ध लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।"बाइडन ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हो सकता है कि गैस की कीमतें 0.03 से 0.04 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन तक बढ़ जाएं, लेकिन इससे रूस की युद्ध लड़ने की क्षमता पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।" बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मेरा मानना है कि पुतिन इस समय मुश्किल स्थिति में हैं। मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि उन्हें उन भयानक कार्यों को करने के लिए कोई मौका न मिले जो वह लगातार कर रहे हैं। उनके सामने आर्थिक समस्याएं हैं, राजनीतिक समस्याएं हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर बुधवार को अंतिम भाषण देंगे बाइडन

बाइडन की जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया था। हालांकि उन्हें ट्रंप के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से पांच दिन पहले बुधवार को ओवल ऑफिस से विदाई भाषण देंगे। बीस जनवरी को पद छोड़ने से पहले यह राष्ट्रपति के तौर पर अमेरिकियों और दुनियाभर के लोगों के लिए बाइडन का अंतिम भाषण होगा, जो रात आठ बजे आरंभ होगा। वह सोमवार को विदेश मंत्रालय में अपने कार्यकाल की विदेश नीति पर केंद्रित एक भाषण देंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिन जीन–पियरे ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि बाइडन सोमवार को अपने भाषण में ''50 से अधिक वर्षों के अपने सार्वजनिक जीवन'' पर बात करेंगे। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट' में बाइडन (82) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था जिसके बाद से उनकी ही पार्टी के सदस्य बाइडन के इस पद की दौड़ से हटने की बात करने लगे थे और अंततरू बाइडन ने ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने का फैसला किया था। बाइडन की जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया था। हालांकि उन्हें ट्रंप के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

जिनपिंग ने फोन कर कहा– मुझे अपना गांव घुमा दो...गुजरात यात्रा को लेकर पीएम मोदी ने किया सबसे बड़ा खुलासा

पीएम मोदी ने कहा कि वाह क्या बात है आपने यहां तक का कार्यक्रम बना दिया है। उन्होंने कहा कि तुम्हें मालूम है क्यों मैंने कहा नहीं। उन्होंने कहा कि मेरा और तुम्हारा एक स्पेशल नाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शी जिनपिंग के भारत दौरे से जुड़ा बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू के दौरान पीएम मोदी ने बताया कि किस तरह से जब वो पीएम बने तो चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें फोन किया उन्हें बधाई दी और भारत का दौरा करने की बात कही। इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि शी जिनपिंग ने उनसे अपने और मेरे गांव के बीच स्पेशल कनेक्शन की बात की थी। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब मैं प्रधानमंत्री बना तो स्वभाविक है कि दुनिया के लीडर्स एक कंटसी कॉल करते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का कॉल आया। शुभकामनाएं वगैरह हुई। फिर उन्होंने खुद से कहा कि मैं भारत आना चाहता हूं। मैंने कहा कि बिल्कुल स्वागत है आपका। आप जरूर आईए। उन्होंने कहा कि मैं गुजरात जाना चाहता हूं। मैंने कहा कि तो और अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हारे गांव वडनगर जाना चाहता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि वाह क्या बात है आपने यहां तक का कार्यक्रम बना दिया है। उन्होंने कहा कि तुम्हें मालूम है क्यों मैंने कहा नहीं।

उन्होंने कहा कि मेरा और तुम्हारा एक स्पेशल नाता है। ह्यून संग जो चाइनीज फिलॉस्फर था वो सबसे ज्यादा समय तुम्हारे गांव में रहा था। लेकिन वापस जब चीन आया तो मेरे गांव में रहा था। उन्होंने कहा कि हम दोनों का ये कनेक्ट है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जेरोधा के सह–संस्थापक निखिल कामथ के साथ अपने पहले पॉडकास्ट में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से बात की है। दो घंटे तक चली बातचीत के दौरान बचपन के दोस्तों से लेकर राजनीति तक पर खुलकर उन्हें अपने विचार रखे हैं। उनसे पूछा गया कि क्या राजनीति में पैसा एक अनिवार्य हिस्सा है? अगर देश का युवा राजनीति में आना चाहता है, तो वे कहते हैं कि इसके लिए बहुत पैसे की जरूरत है जो हमारे पास नहीं है। स्टार्टअप उद्योग में, जब हमारे पास कोई विचार होता है, तो हम अपने दोस्तों और परिवार से पैसे लेते हैं। इसे बीज चक्र कहते हैं। कामथ ने पूछा राजनीति में यह कैसे होगा। बचपन के दोस्तों के बारे में पूछे जाने पर पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने छोटी उम्र में ही अपना घर, हर रिश्ता छोड़ दिया था। मैं एक भटकते हुए आदमी की तरह अपना जीवन बिता रहा था, सभी से मेरा संपर्क टूट गया था। जब मैं सीएम बना, तो मैंने अपने पुराने सहपाठियों को मुख्यमंत्री आवास में आमंत्रित किया।

मेरा इरादा उन्हें यह दिखाना था कि मैं अभी भी वही व्यक्ति हूं जो सालों पहले गांव में उनके साथ रहता था। मैं उन पलों को फिर से जीना चाहता था

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में कबायली परिषद की बैठक के दौरान गोलीबारी, चार लोगों की मौत

पुलिस ने बताया, ''गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' पुलिस ने बताया कि एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान के एक गांव में शुक्रवार को दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच सुलह कराने के लिए आयोजित जिरगा (कबीलाई परिषद) के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोग मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवात जिले में अल–नासिर होटल के पास गांडी चौक पर उस समय हुई जब वजीरी दो जनजातियों के बीच जिरगा, हिंसक हो गया और वहां गोलीबारी शुरू हुई। पुलिस ने बताया, ''गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' पुलिस ने बताया कि एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के तुरंत बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, सोमवार 13 जनवरी 2025
sheelshukla100@gmail.com

बीसीसीआई के आधिकारिक सचिव होंगे देवजीत सैकिया, इन्हें मिली कोषाध्यक्ष की कुर्सी

बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को आधिकारिक तौर पर सचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोती ने मंगलवार को सूची को जब अंतिम रूप दिया तो सैकिया और प्रभतेज रिक्त पदों के लिए मैदान में एकलौते उम्मीदवार थे। 12 जनवरी मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को आधिकारिक तौर पर सचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोती ने मंगलवार को सूची को जब अंतिम रूप दिया तो सैकिया और प्रभतेज रिक्त पदों के लिए मैदान में एकलौते उम्मीदवार थे। ऐसे में इन्हीं दोनों को आधिकारिक तौर पर सचिव और कोषाध्यक्ष की कुर्सी मिलेगी। जय शाह के एक दिसंबर को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी का चेयरमैन बनने के बाद से देवजीत सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार किसी भी रिक्त पद को एसजीएम बुलाकर 45 दिनों के भीतर भरा जाना चाहिए। रविवार को इस अवधि का 43वां दिन है। ऐसे में इस अवधि से पहले ही सचिव और कोषाध्यक्ष

का पद भर जाएगा। इससे पहले आशीष शेलार बोर्ड के कोषाध्यक्ष थे, लेकिन उन्होंने महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ले ली जिस कारण उन्होंने ये पद छोड़ दिया। इसके बाद प्रभतेज सिंह भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इन दोनों पदाधिकारी का चुनाव एसजीएम का मुख्य एजेंडा है। आईसीसी अध्यक्ष शाह विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान बीसीसीआई की राज्य इकाइयां उन्हें सम्मानित भी करेंगी। शाह ने पिछले महीने आईसीसी प्रमुख के रूप में ग्रेग बार्कले की जगह ली थी।

टीम इंडिया के लिए बुरी खबर, चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे मयंक यादव

मयंक यादव इंग्लैंड के खिलाफ अगले सफेद गेंद सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, मयंक पीठ में चोट से जूझ रहे हैं और वो पिछले साल ही चोटिल हो गए थे। वो इस समय अपनी इंजरी से उबर रहे हैं। भारत को इंग्लैंड टीम के खिलाफ 5 टी20 और 3 वनडे मैच खेलने हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव इंग्लैंड के खिलाफ अगले सफेद गेंद सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, मयंक पीठ में चोट से जूझ रहे हैं और वो पिछले साल ही चोटिल हो गए थे। वो इस समय अपनी इंजरी से उबर रहे हैं। भारत को इंग्लैंड टीम के खिलाफ 5 टी20 और 3 वनडे मैच खेलने हैं। वहीं चोट के कारण मयंक का टीम इंडिया की टी20 टीम में शामिल होना संभव नहीं लग रहा है। मयंग यादव ने अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, इस सीरीज के बाद उन्हें एक और चोट लगी और इसकी वजह से वो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से चूट गए थे साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट भी नहीं खेल पाए। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार मयंक यादव अभी भी पीठ की चोट से उबर रहे हैं और इंग्लिश टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उनके समय पर फिट होने की संभावना नहीं है। 22 वर्षीय

मयंक को 23 जनवरी से सौराष्ट्र के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के पहले मैच के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल नहीं किया गया है। मयंक के आईपीएल 2025 के दौरान वापसी करने की उम्मीद जताई जा रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि वह पीठ की चोट से पीड़ित हैं और इंग्लैंड सीरीज के लिए उनके फिट होने की संभावना नहीं है। उन्हें 23 जनवरी से सौराष्ट्र के खिलाफ दूसरे चरण के पहले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए भी संभावित खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया है। फिलहाल, तेज गेंदबाज कुछ महीनों से बेंगलुरु में एनसीए में हैं जहां वो अपनी इंजरी पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 12 अक्टूबर 2023 को हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भारत के लिए खेला था। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए सुर्खियां बटोरी थीं।

भारत ने आयरलैंड को 6 विकेट से रौंदा, प्रतिका-तेजल का शानदार प्रदर्शन

इंडिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए राजकोट में जीत दर्ज की है। भारत ने वनडे सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को 6

विकेट से हराया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 239 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में भारत ने 34.3 ओवरों में मैच जीत लिया। उसके लिए प्रतिका रावल और तेजल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन दोनों ने अर्धशतक लगाए। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए राजकोट में जीत दर्ज की है। भारत ने वनडे सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 239 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में भारत ने 34.3 ओवरों में मैच जीत लिया। उसके लिए प्रतिका रावल और तेजल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन दोनों ने अर्धशतक लगाए।

वहीं टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब हुई। टीम ने 27 रनों के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। सारा फॉर्ब्स महज 9 रन बनाकर आउट हुई, इसके बाद उना रेमंड 5 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं ओरला 9 रन बनाकर चलती बनीं। लेकिन कप्तान कैबी लेविस ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 15 चौकों की मदद से 92 रन बनाए। ली पॉल ने भी अच्छा परफॉर्म किया, उन्होंने 7 चौकों की मदद से 59 रन बनाए। आयरलैंड के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 34.3 ओवरों में मैच जीत लिया। टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी हुई। कप्तान मंधाना और प्रतिका के बीच मजबूत साझेदारी हुई। मंधाना ने 6 चौकों और 1 छक्के की मदद से 41 रन बनाए। वहीं प्रतिका ने 10 चौकों और 1 छक्के की मदद से 89 रन बनाए।

राहुल द्रविड़ को क्यों कहा जाता है भारतीय क्रिकेट टीम की दीवार, आज मना रहे 52वां जन्मदिन

भारतीय क्रिकेट टीम की श्दीवारश कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ 11 जनवरी को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय क्रिकेट के लिए राहुल द्रविड़ ने अनगिनत योगदान दिया है। बता दें कि संन्यास लेने के बाद भी वह इस खेल से जुड़े रहे। भारतीय क्रिकेट टीम की श्दीवारश कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ 11 जनवरी को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय क्रिकेट के लिए राहुल द्रविड़ ने अनगिनत योगदान दिया है। बता दें कि संन्यास लेने के बाद भी वह इस खेल से जुड़े रहे। पहले राहुल द्रविड़ ने अंडर 19 टीम को निखारने का काम किया और अब उनकी कोचिंग में भारतीय क्रिकेट टीम टी 20 वर्ल्ड चौंपियन बनीं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर राहुल द्रविड़ के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ व्क् मैच में राहुल द्रविड़ ने विनोद कांबली को रिप्लेस किया। फिर इसके बाद उनको कभी पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। स्टाइलिश बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने एक के बाद एक कई उपलब्धि अपने नाम की और वह सचिन तेंदुलकर के साथ भारत के महान बल्लेबाज बन गए। राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि अपने 16 सालों के टेस्ट करियर में उन्होंने 31,258 गेंदों का सामना किया है। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में राहुल द्रविड़ से ज्यादा गेंदें किसी अन्य ने नहीं खेली हैं। यह वही रिकॉर्ड है, जिसके कारण उनको भारतीय टीम का श्दीवारश कहा जाता है। इसके अलावा राहुल द्रविड़ ने अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी के साथ–साथ फील्डिंग में भी अपना खूब नाम बनाया है। उन्होंने 210 कैच पकड़े हैं, जोकि विकेट कीपर को छोड़कर किसी फील्डर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड है। क्रीज पर सबसे ज्यादा समय बिताने का भी रिकॉर्ड अगर राहुल द्रविड़ क्रीज पर डट जाते, तो गेंदबाजों की सामत आ जाती

थी। क्योंकि उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 44, 151 मिनट क्रीज पर बैटिंग करते हुए बिताया है। राहुल द्रविड़ का यह रिकॉर्ड तोड़ना नामुमकिन है। टेस्ट में शतकीय साझेदारी का रिकॉर्ड वहीं राहुल द्रविड़ एक मात्र ऐसे खिलाड़ी हुआ करते थे, जिनके क्रीज पर रहने भर से दूसरी तरफ बैटिंग कर रहे बैट्समैन में आत्मविश्वास बढ़ जाता था। क्योंकि उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी का रिकॉर्ड है। उन्होंने 88 बार यह कारनामा किया है। टेस्ट में 300 रन की पार्टनरशिप भारतीय टीम के खिलाड़ी रहे राहुल द्रविड़ के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 300 से अधिर रन की साझेदारी का भी रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने 16 सालों के करियर में 6 बार ऐसा किया है।

दिलचस्प बात यह है कि राहुल द्रविड़ ने एकदिवसीय क्रिकेट में भी दो बार 300 से अधिक रन की साझेदारी की है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी पहुंचाना बल्लेबाज का सपना होगा।

स्टीव स्मिथ मचाया धमाल, शतक ठोक महारिकार्ड की बराबरी की

स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग 2024–25 में उतरने के बाद ध माल मचाया है। स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग सीजन के अपने पहले ही मैच में तूपानी शतक ठोकने का बड़ा कारनामा कर दिया है। सिडनी सिक्सर्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच खेले जा रहे लीग के 30वें मैच में स्मिथ ने सेंचुरी जड़ने का कमाल किया। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग 2024–25

में उतरने के बाद धमाल मचाया है। स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग सीजन के अपने पहले ही मैच में तूपानी शतक ठोकने का बड़ा कारनामा कर दिया है। सिडनी सिक्सर्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच खेले जा रहे लीग के 30वें मैच में स्मिथ ने सेंचुरी जड़ने का कमाल किया। सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए स्मिथ ने महज 58 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उनके बल्ले से 10 चौके और 6 छक्के निकले। शतक पूरा करने के बाद भी स्मिथ का बल्ला नहीं रूक और उन्होंने आखिरी ओवर में लगातार 3 छक्के जड़ते हुए अपनी टीम का स्कोर 220ध्3 रन तक पहुंचा दिया। स्टीव स्मिथ 64 गेंदों पर 10 चौके और 7 छक्कों की मदद से 121 रन बनाकर नाबाद लौटे। इस तरह स्मिथ ने बिग बैश लीग में बड़ा करिश्मा कर दिया।

आईसीसी के इस कदम से गेंदबाजों को होगा फायदा, बल्लेबाज नहीं कर पाएंगे अब अपनी मनमानी

दरअसल, साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर और पूर्व कप्तान शॉन पोलाक ने कहा कि, आईसीसी क्रिकेट समिति गेंदबाजों को वाइड पर थोड़ी ज्यादा छूट देने की दिशा में काम कर रही है। इसके पीछे का कारण मोजूदा नियम उन पर बहुत सख्त है, विशेषकर तब जबकि बल्लेबाज आखिरी क्षणों में मूवमेंट करते हैं। आईसीसी गेंदबाजों के पक्ष में काम करने जा रही है। दरअसल, साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर और पूर्व कप्तान शॉन पोलाक ने कहा कि, आईसीसी क्रिकेट समिति गेंदबाजों को वाइड पर थोड़ी ज्यादा छूट देने की दिशा में काम कर रही है। इसके पीछे का कारण मोजूदा

नियम उन पर बहुत सख्त है, विशेषकर तब जबकि बल्लेबाज आखिरी क्षणों में मूवमेंट करते हैं। वनडे और टी20 में बल्लेबाज गेंदबाज की लाइन और लेंथ को बिगाड़ने के लिए क्रीज पर आखिरी पलों में मूवमेंट करते हैं जिससे अक्सर गेंद वाइड हो जाती है। पोलाक ने पीटीआई से कहा कि, मैं आईसीसी क्रिकेट समिति का हिस्सा हूं और हम वाइड गेंद पर गेंदबाजों के लिए कुछ और छूट लाने पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इसको लेकर नियम गेंदबाजों के प्रति बहुत सख्त हैं। पोलाक ने आगे कहा कि, अगर कोई बल्लेबाज आखिरी मिनट में उछलता है तो ये वास्तव में गेंदबाजों के लिए आदर्श स्थिति नहीं होती है। मुझे लगता है कि एक गेंदबाज को अपने रन अप की शुरुआत में ये जानना जरूरी है कि वह कहां गेंदबाजी कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि, मौजूदा नियमों के अनुसार अगर गेंदबाज के गेंद छोड़ने से तुरंत पहले बल्लेबाज अपनी जगह बदलता है तो इसमें गेंद वाइड दे दी जाती है। मैं इस नियम में थोड़ा बदलाव चाहता हूं। इस 51 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि गेंदबाजों को रन अप के समय पता होना चाहिए कि उसे कहां गेंदबाजी करनी है।

टीम इंडिया के ऐलान में हो सकती है देरी, जानें कब होगी स्क्वाड की घोषणा

भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रही है। इस सीरीज को लेकर टीम इंडिया के ऐलान में देरी होने की संभावना है। क्रिकबज के रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा था कि आईसीसी के दिशा निर्देशों के आधार पर भारतीय टीम के स्क्वॉड का ऐलान 12 जनवरी तक किया जा सकता है। अगले महीन 19 फरवरी से चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। वहीं चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के हाथ में है। इस टूर्नामेंट के आईसीसी ने सभी टीमों को 12 जनवरी तक का समय दिया है जिससे वो अपने स्क्वॉड का ऐलान कर सके। ऐसे में फैंस को भी टीम इंडिया के ऐलान का बेसब्री से इंतजार है। वहीं टीम इंडिया के ऐलान को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रही है। इस सीरीज को लेकर टीम इंडिया के ऐलान में देरी होने की संभावना है। क्रिकबज के रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा था कि आईसीसी के दिशा निर्देशों के आधार पर भारतीय टीम के स्क्वॉड का ऐलान 12 जनवरी तक किया जा सकता है। लेकिन अब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इसमें देरी कर सकती है। वे टीम ऐलान की आखिरी तारीख को आगे बढ़ाने का अनुरोध कर सकते हैं। हालांकि, आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान

पहले कर दिया जाएगा। आईसीसी के टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों को कम से कम एक महीने पहले अपने अंतरिम स्क्वाड का ऐलान करना होता है। हालांकि, अंतरिम स्क्वॉड में बदलाव करने की इजाजत दी जाती है। लेकिन इस बार आईसीसी ने सभी टीमों के पांच हफ्ते पहले ही स्क्वाड का ऐलान करने को कहा है। भारतीय टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया का दौरान किया था। जहां टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज खेली है। इस सीरीज का हवाला देते हुए इबबप द्वारा ज्यादा समय के लिए अनुरोध किए जाने की उम्मीद है। टीम इंडिया की घोषणा लगभग एक हफ्ते बाद, 18–19 जनवरी के आसपास की जाएगी।

रात में मोजे पहनकर सोना चाहिए या नहीं ? यहां जानिए फायदे और नुकसान

सर्दी का सितम जारी है. ऐसे में लोग ठंड से बचने के लिए ऊपर से नीचे तक ऊनी कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे हैं. कुछ लोगों को कम तो कुछ लोगों को बहुत ज्यादा सर्दी लगती है. ऐसे में रात में सोते समय कई लोग मोजे पहनकर सोते हैं. अगर आपको रात में मोजे पहनकर सोने की आदत है तो ये खबर आपके लिए ही है. यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रात में मोजे पहनकर सोना चाहिए या नहीं? ये आदत आपके लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक, आइए जानते हैं इसके बारे में.क्या आपको सोते समय मोजे पहनने चाहिए?अगर आपके पैर हमेशा ठंडे रहते हैं तो मोजे पहनना चाहिए. इससे आपके रक्त प्रवाह में सुधार हो सकता है. इसके लिए आपको सूती या ढीले–ढाले ऊनी मोजे चुनने चाहिए. वहीं जिन लोगों के पैर ड्राई या फटे हुए हैं, वो भी फुट क्रीम लगाकर सूती मोजे पहन सकते हैं.सोते समय मोजे पहनने के नुकसानज्यादा गर्मी लगने की संभावनाजो लोग रात में मोजे पहनकर सोते हैं तो उनका शरीर गर्म होने लगता है. ऐसे में आपको अच्छी नींद तो आती है, लेकिन शरीर ज्यादा गर्म होने से बेचैनी भी हो सकती है.फंगल संक्रमण अगर कोई रोजाना गंदे या टाइट मोजे पहनकर सोता है तो उन्हें बैक्टीरिया या फंगल संक्रमण हो सकता है. इसलिए ये सुनिश्चित करें कि आपके मोजे साफ और ब्रीदेबल हों.

रक्त संचार हो सकता है गड़बड़रात में अगर आप सॉक्स पहनकर सो रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि मोजे कभी भी टाइट नहीं होने चाहिए. सॉक्स पहनने से आपका रक्त प्रवाह अच्छा होगा, लेकिन यदि टाइट सॉक्स हैं रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है. सोते समय मोजे पहनने के फायदे सुधरेगी नींद की गुणवत्ता ठंडे पैर होने की वजह से कई लोगों को अच्छी तरीके से नींद नहीं आती है. ऐसे में जुराब पहनने से शरीर के तापमान को नियंत्रित करके नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है. गर्म पैर आपके शरीर

को मेन टेंपरेचर को कम करने का संकेत देते हैं, जो गहरी नींद शुरू करने और बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण फैक्टर है.रक्त संचार में सुधार खराब रक्त परिसंचरण वाले लोग, जैसे कि रेनॉड की बीमारी वाले लोग, मोजे पहनने से राहत पा सकते हैं. मोजे गर्मी बनाए रखने में मदद करते हैं. इससे पैर सुन नहीं होते हैं, क्योंकि रक्त प्रवाह अच्छे से होता है.

दोपहर को कुछ मिनट झपकी लेने से क्या उत्पादकता पर कोई असर पड़ता है ?

दोपहर की झपकी को लेकर कई धारणाएं हैं, जिनमें से एक यह है कि यह हमारी प्रोडक्टिविटी यानी उत्पादकता को नुकसान पहुंचा सकती है।

हालांकि, क्या वाकई ऐसा है? इस लेख में हम इसके पीछे की सच्चाई जानने का प्रयास करेंगे।

वैज्ञानिक शोध और विशेषज्ञों के अनुसार, दोपहर के समय झपकी लेने का हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आइए जानते हैं कैसे।

ऊर्जा बढ़ाने में है सहायक

दोपहर की छोटी सी झपकी लेने से हमारी ऊर्जा स्तर में सुधार होता है।

जब हम लगातार काम करते रहते हैं तो हमारा शरीर थकान महसूस करने लगता है। ऐसे में 20–30 मिनट की नींद हमें तरोताजा कर सकती है और हमारी ऊर्जा को फिर से भर देती है।

इससे हम अपने काम को अधिक ध्यानपूर्वक और उत्साह के साथ कर सकते हैं, जिससे

उत्पादकता बढ़ती है न कि घटती।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

दोपहर की नींद हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती है। यह तनाव कम करने में मदद करती है और मस्तिष्क को आराम देती है।

जब हमारा दिमाग शांत होता है तो हम बेहतर निर्णय ले सकते हैं और समस्याओं का समाधान आसानी से ढूंढ सकते हैं।

इसलिए दोपहर की नींद लेना मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा उपाय हो सकता है, जो हमारी कार्यक्षमता को बढ़ाता ही नहीं बल्कि उसे स्थिर भी रखता है।

याददाश्त सुधारने में है प्रभावी

शोध बताते हैं कि दोपहर को झपकी लेने से याददाश्त बेहतर होती है।

जब हम सोते हैं तो हमारा मस्तिष्क नई जानकारी को प्रोसेस करता रहता है और उसे लंबे समय तक याद रखने लायक बनाता रहता है।

इससे हमें नई चीजें सीखने में आसानी होती है। इसलिए अगर आप कुछ नया सीख रहे हों या किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों तो थोड़ी देर सोना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है ।रचनात्मकता बढ़ाने का है साधनरचनात्मक कार्यों के लिए तरोताजा दिमाग जरूरी होता है। दोपहर की झपकी से मस्तिष्क को नई ऊर्जा मिलती है, जिससे रचनात्मक सोच विकसित होती है।जब हम किसी समस्या का हल नहीं ढूंढ पाते, तब थोड़ी देर सोकर उठने पर नए विचार आते हैं।

यश का बर्थडे पर फैंस को तोहफा, टाक्सिक का जहर टीजर रिलीज, केजीएफ स्टार का फर्स्ट लुक आउट

साउथ सुपरस्टार यश इंडियन सिनेमा में अपना नाम कमा चुके हैं. नवीन कुमार गौड़ उर्फ रॉकिंग स्टार यश के फैंस के लिए आज खुशी का दिन है. यश अपना 39वां बर्थडे मना रहे हैं. जानकर हैरानी होगी कि यश बीते 17 सालों से इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, लेकिन साल 2018 में आई फिल्म केजीएफ चौप्टर 1 से उन्हें वर्ल्डवाइड पहचान मिली है. केजीएफ से पहले यश को कई फिल्मों में देखा गया है, लेकिन यह सभी फिल्में कन्नड़ सिनेमा तक ही सिमटकर रह गईं. आज इंडिया के कोने–कोने में यश की फिल्मों का इंतजार होता है. वहीं, बर्थडे के मौके पर यश ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से फैंस को बड़ा तोहफा दिया है. यश

स्टारर एक्शन एडवेंचर फिल्म टॉक्सिक से यश ने बीती 6 जनवरी को एक पोस्टर शेयर किया था और अपने फैंस को कहा था कि वह अपने 39वें बर्थडे पर फिल्म से बड़ा और सरप्राइज गिफ्ट देंगे. अब यश ने अपना वादा पूरा करते हुए फिल्म टॉक्सिक से फैंस के लिए बड़ा गिफ्ट भेजा है. यश ने अपने बर्थडे पर फिल्म टॉक्सिक से एकदम जहर टीजर शेयर किया है, जिसमें यश को एक बार में पोल गर्ल और बार डांसर के साथ इंटीमेट होते देखा जा रहा है. वहीं, टीजर में यश का फर्स्ट लुक भी देखने को मिल रहा है. कहना गलत नहीं होगा कि यश अपनी इस फिल्म से भी फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं. बता दें, फर्स्ट लुक में यश ने क्रीम रंग के कॉस्ट्यू पर हैट लगाई हुई है और वह इस लुक में किसी माचोमैन से कम नहीं दिख रहे हैं. टॉक्सिकरू ए डार्क फेयरीटेल को गीतू मोनदास डायरेक्ट कर रही हैं. टॉक्सिक आगामी 10 अप्रैल को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. यश की यह पैन इंडिया फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार है. बता दें, यश को तीन साल पहले साल 2022 में फिल्म केजीएफ 2 में देखा गया था, इसके बाद से यश किसी फिल्म में नहीं दिखे. अब यश अपनी इस फिल्म पर पूरी तरह से ध्यान दे रहे हैं और दर्शकों को एक नया सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार हैं.

मुझे मरने की इजाजत है, डरने की नहीं, हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का ट्रेलर रिलीज

गायक से अभिनेता बने हिमेश रेशमिया अनंत महादेवन की 2014 की पीरियड थ्रिलर द एक्सपोज से रवि कुमार की अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, जो 1980 के दशक के बॉलीवुड फ्लेवर से भरपूर है। गायक और अभिनेता हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में वह बड़े–बड़े डायलॉग बोलते हुए और एनिमल के रणबीर कपूर की झलक दिखाते हुए नजर आए। वीडियो में उन्होंने प्रभुदेवा के साथ अपने डांस मूव्स को भी दिखाया।

बैडएड रवि कुमार के ट्रेलर में हिमेश रेशमिया दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। वह एक मिशन पर है, जिसे उन्हें हर हाल में पूरा करना है। वहीं इस बीच वह अपने कई दुश्मन बना लेते हैं, जिनसे उन्हें पूरी ताकत के साथ निपटना है। ट्रेलर में वह कहते हैं कि उन्हें मरने में इजाजत है, डरने की नहीं और उनसे पंगा लेना सेहत के लिए हानिकारिक है। इसके साथ ही ट्रेलर में जॉनी लीवर और संजय मिश्रा के कुछ कॉमेडी सींस भी दिखाए गए हैं। वहीं साथ ही हिमेश रेशमिया के कुछ दिल दहला देने वाले दृश्य भी दिखाई गए, जिसमें वे खूनी अंदाज में नजर आए।

2014 की द एक्पोज की रिलीज के लगभग एक दशक के अंतराल के बाद अभिनेता एक बार फिर रविकमार के किरदार में वापस आ गए हैं और अपने किरदार की विरासत को आगे ले

जा रहे हैं। यह अभिनेता के इर्द–गिर्द है, यह 1980 के दशक के एक्शन मोड में है, जिसमें दमदार संवाद हैं और गोलियों की बौछार है। हिमेश इस फिल्म में निर्माता, संगीत निर्देशक और अभिनेता तो हैं ही, उन्होंने फिल्म की कहानी और स्क्रीन प्ले भी लिखा है और साथ ही बैकग्राउंड स्कोर भी किया है। प्रभु देवा को फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभाने के लिए चुना गया है और फिल्म के एक्शन को वास्तविक अनुभव देने के लिए उन्होंने सुनील रोड्रिग्स (जवान और सिंघम अगेन), स्टंट सैम (तंगलान) और डेनी जॉर्डन कजुर्सिजेव (मनी हीस्ट) जैसे नामों को चुना है। फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है और इसमें कीर्ति कुल्हारी, संजय जॉनी लीवर , मनीष वाधवा, अनिल जॉर्ज, राजेश शर्मा, प्रशांत नारायण, सौरभ सचदेवा, सनी लियोन जैसे नाम भी शामिल हैं और सिमोना को फिल्म में मधुबाला के रूप में पेश किया जा रहा है।

बाक्स आफिस पर बेबी जान का संघर्ष जारी, अब तक कर चुकी इतनी कमाई

अभिनेता वरुण धवन काफी समय से फिल्म बेबी जॉन को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह फिल्म बीते साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं सकी। पहले दिन से ही टिकट खिड़की पर फिल्म की हालत पस्त है।फिल्म को रिलीज हुए 14 दिन हो गए हैं, लेकिन यह अब तक अपना आधा बजट भी नहीं निकाल पाई। फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।बेबी जॉन की कमाई के 14वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 25 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 39.01 करोड़ रुपये हो गया है। दुनियाभर में यह अब तक 57 करोड़ रुपये से अधिक कमा पाई है। यह फिल्म सिनेमाघरों में अब अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। बेबी जॉन को कलीस ने निर्देशित किया है,वहीं एटली इसके निर्माता हैं। ये थलापति विजय की तमिल फिल्म थेरी का रीमेक है। फिल्म में जैकी श्रॉफ ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। कीर्ति सुरेश, सान्या मल्होत्रा, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के अंत में सलमान खान का कैमियो भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों के बाद अब यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

नई फुटेज के साथ इस तारीख से सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी पुष्पा 2, फिल्म की अवधि में हुआ इजाफा

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाए हुए है। रिलीज के करीब महीनेभर बाद भी इसका जलवा बरकरार है। अब इस फिल्म का रिलोडिड वर्जन सिनेमाघरों में आ रहा है। दर्शकों को कुछ अतिरिक्त फुटेज के साथ इस फिल्म को देखने का मौका मिलेगा। बता दें कि दिसंबर में क्रिसमस से पहले मेकर्स ने फिल्म में कुछ और एपिसोड जोड़ने का एलान किया था। इसके बाद फिल्म की अवधि बढ़ जाएगी। जोड़ी गई फुटेज के साथ फिल्म इसी महीने से सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। तारीख जान लेते हैं।

मैत्री मूवीज मेकर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें बताया गया कि फिल्म का रिलोडिड वर्जन 11 जनवरी 2025 से सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। नए एपिसोड जोड़ने से फिल्म की अवधि करीब 20 मिनट और बढ़ जाएगी। अब इसका टोटल रनटाइम होगा 3 घंटे 40 मिनट।

फिल्म पुष्पा 2 05 दिसंबर 2024 को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हुई। कमाई के मामले में यह पहले दिन से रिकॉर्ड तोड़ रही है। रिलीज के 34 दिन इसने शानदार अंदाज में पूरे किए हैं। कल मंगलवार को फिल्म ने ढाई करोड़ रुपये की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर की। अब तक इसका नेट कलेक्शन 1,210.95 करोड़ रुपये हो चुका है।देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में पुष्पा 2 का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 1,831 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

इस फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

पुष्पा 2 के निर्देशक सुकुमार हैं। उन्होंने साल 2021 में इस फिल्म का पहला भाग पुष्पारू द राइज बनाया था, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर था। फहद फासिल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। कहानी की बात करें तो पहले भाग में एक आम दिहाड़ी मजदूर रहा पुष्पा राज (अल्लू अर्जुन) चंदन का तस्कर बन चुका है। वह अपने इलाके के लोगों की भलाई के लिए सबकुछ करता है और उनके दिलों का राजा बन जाता है।मेकर्स इस फैसले के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि पुष्पा 2 जल्द ही आमिर खान की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल, जिसने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 2070.3 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, को पीछे छोड़ सकती है.

विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार, 10 जनवरी से जी5 पर होगा प्रीमियर

विक्रांत मैसी और राशि खन्ना अभिनीत फिल्म द साबरमती रिपोर्ट नवंबर 2024 सिनेमाघरों में रिलीज हुई। थिएटर के बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी रिलीज डेट का एलान किया है। चलिए जानते हैं किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर और कब से फिल्म देखी जा सकेगी। फिल्म द साबरमती रिपोर्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होने जा रही है। जी5 के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म का प्रीमियर 10 जनवरी से होगा। धीरज सरना निर्देशित यह फिल्म 15 नवंबर, 2024 को बड़े परदे पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म 2002 में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना पर आधारित थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिनेमाघरों में रिलीज होने पर द साबरमती रिपोर्ट की सराहना की। अब इस फिल्म का डिजिटल प्रीमियर होने वाला है। विक्रांत मैसी और राशि खन्ना के अलावा फिल्म में रिद्धि डोगरा भी नजर आईं। साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत ने पत्रकार समर कुमार की भूमिका निभाई थी, जबकि रिद्धि डोगरा ने मनिका राजपुरोहित की भूमिका निभाई। वहीं राशि ने अमृता गिल का किरदार निभाया था। फिल्म की स्टार कास्ट में बरखा सिंह, सुदीप वेद, दिग्विजय पुरोहित और अन्य शामिल थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में फिल्म श्द साबरमती रिपोर्ट्य देखी थी। यहां मेकर्स ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की थी। इस स्क्रीनिंग में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री और सांसद भी पहुंचे। इस विशेष अवसर पर फिल्म की स्टारकास्ट से विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, रिद्दी डोगरा समेत मेकर्स भी मौजूद थे।

आयशा खान ने बताया, कैसा है दिल को रफू कर ले में उनका किरदार

बिग बॉस 17 की पूर्व प्रतियोगी आयशा खान जल्द ही शो दिल को रफू कर ले में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो में उनका किरदार जिंदगी से भरपूर और खुशमिजाज है।

अभिनेत्री आयशा शो में रवि दुबे और सरगुन मेहता की दिल को रफू कर ले में निक्की का किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे रवि दुबे और सरगुन मेहता के बैनर ड्रीमियता ड्रामा ने बनाया है।

शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, लेखिका मीनाक्षी स्क्रिप्ट पढ़कर मुझे सुना रही थीं तो मैंने सुझाव दिया कि लड़की का नाम ख्वाहिश होना चाहिए क्योंकि उसके अंदर बहुत सारे सपने और बहुत सारी महत्वाकांक्षाएं हैं। लेकिन मीनाक्षी ने कहा, नहीं यह निक्की है, वह जो हमेशा अपने मन का काम करती है, वह काम को चुटकियों में करती है। सच वह पल मेरे साथ रहा और मुझे एहसास हुआ कि निक्की जिंदगी से भरपूर है। वह एक मस्तमौला, जीवंत और खुशमिजाज लड़की है। अभिनेत्री ने बताया कि निक्की वैसी ही हैं जैसी स्क्रीन पर दिखती हैं।

उन्होंने कहा, मेरा व्यक्तित्व बिल्कुल निक्की जैसा है। मैं बहुत सीधी–सादी हूं – चेहरे से, हमेशा खुश रहने वाली, मजेदार और चुलबुली लड़की हूं। लेकिन हां, निक्की की एनर्जी दूसरे स्तर पर है और मुझे नहीं लगता कि मैं इस मामले में उससे मेल खा सकती हूं। आयशा शो में करण वी ग्रोवर के साथ नजर आएंगी। उन्होंने करण को लेकर कहा कि वह ऑन और ऑफ कैमरा शूटिंग करके बहुत अच्छा समय बिता रही है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि मैं ऐसे अभिनेताओं के साथ काम करके काफी कुछ सीख रही हूं। करण, चिराग, मीनाक्षी, स्वाति जी, कमल और निर्मल

मैम को जब भी मैं परफॉर्म करते देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं हमेशा उनकी शूटिंग देखने के लिए उत्साहित रहती हूं। अभिनेत्री ने करण के बारे में कहा, वह एक शानदार अभिनेता और एक अद्भुत इंसान हैं। मुझे लगा कि वह बहुत गंभीर व्यक्ति होंगे, लेकिन वह बहुत मजेदार इंसान हैं। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है और मैं वास्तव में समी को मिस करने वाली हूं। रवि और सरगुन के बारे में आयशा बोलीं,मैं सरगुन मैम के बारे में क्या कह सकती हूं? वह हमेशा एक प्रेरणा रही हैं। एक निर्माता, अभिनेत्री– आप जो भी नाम लें वह सब हैं। मैं उनको प्यार करने के साथ ही उनका बहुत सम्मान भी करती हूं। वह बहुत मेहनती हैं। जब भी सेट पर होती हैं तो मैं सबसे खुश होती हूं। उन्हें देखकर मेरी आंखों में चमक आ जाती है। आयशा ने रवि के बारे में कहा, मैं उनकी प्रशंसक हूं और उन्होंने हमें भरपूर मनोरंजन दिया है। मुझे लगता है कि फिल्में हर कोई बना सकता है, लेकिन रचनात्मक दिमाग रखना और अपनी पूरी कोशिशें लगाना हर किसी के बस की बात नहीं है, लेकिन हां, रवि भैया के बस की बात है। वे दोनों ही अपने दर्शकों के सामने चीजों को पेश करने की कला जानते हैं।

कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज देती नजर आई जन्नत गर्ल सोनल चौहान, लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

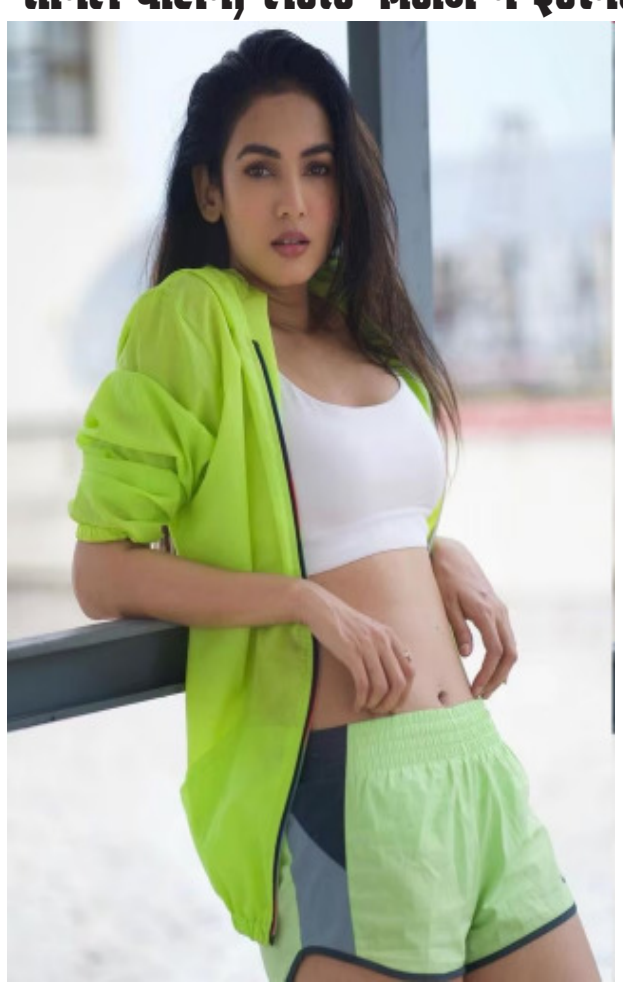

जन्नत गर्ल सोनल चौहान अपने फैशन स्टेटमेंट्स और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस सोनल चौहान आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया हेंडल पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हॉल्टर नेक लुक में बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है।

पेंशनर्स खरीद सकते हैं ये इलेक्ट्रिक कार, देखें कीमतें

फिल्म को ज्यादातर सकारात्मक समीक्षा मिली और दर्शकों के बीच यह काफी लोकप्रिय हुई, जिसने जल्दी ही केरल से बाहर भी लोकप्रियता हासिल कर ली। जबकि इसने अपने गृह राज्य में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, इसकी अपील कई अन्य क्षेत्रों में भी फैली। अब, अगर आप बड़े पर्दे पर फिल्म देखने से चूक गए हैं, तो सावधान हो जाइए क्योंकि सूक्ष्मदर्शिनी अपने ओटीटी डेब्यू का इंतजार कर रही है और 11 जनवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। यह फिल्म तेलुगु सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।सूक्ष्मदर्शिनी को ए.वी. अनूप ने सिनेमैटोग्राफर शायजू खालिद और समीर ताहिर के साथ मिलकर वित्तपोषित किया है। फिल्म में दीपक परम्बोल, सिद्धार्थ भारतन, मेरिन फिलिप, अखिला भार्गव, पूजा मोहनराज और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।एमसी द्वारा निर्देशित और समीर ताहिर, शायजू खालिद और ए.वी. अनूप द्वारा निर्मित, सूक्ष्मदर्शिनी अपनी सफलता का श्रेय पर्दे के पीछे के कुशल दल को देती है। लिबिन टीबी और अतुल रामचंद्रन द्वारा तैयार की गई पटकथा एक आकर्षक और रहस्य से भरी कहानी सुनिश्चित करती है, जबकि शरण वेलायुधन की सिनेमैटोग्राफी और क्रिस्टो जेवियर का संगीत तनाव को बढ़ाता है।

विराट कर्ण की पैन इंडिया फिल्म नागबंधम से प्री–लुक पोस्टर आउट

निर्देशक अभिषेक नामा की महत्वाकांक्षी परियोजना नागबंधम, जिसे द सीक्रेट ट्रेजर कहा जाता है, एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। किशोर अन्नापुरेड्डी द्वारा एनआईके स्टूडियो, अभिषेक पिक्चर्स और तारक सिनेमा के तहत निर्मित इस फिल्म का नेतृत्व विराट कर्ण कर रहे हैं। प्री–लुक पोस्टर में विराट को एक प्राचीन मंदिर के दरवाजे के सामने खड़े दिखाया गया है, जो भव्यता का संकेत देता है। जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बी. एस. अविनाश के साथ नाभा नटेश और ईश्वर्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं। अभिषेक नामा की पटकथा आध्यात्मिक और साहसिक विषयों को जोड़ती है,

जो छिपे हुए खजाने की खोज से प्रेरित है।

सौंदर राजन एस छायांकन संभालते हैं, अभे संगीत बनाते हैं, कल्याण चक्रवर्ती संवाद लिखते हैं, और संतोष कामिरेड्डी संपादन करते हैं। अशोक कुमार प्रोडक्शन डिजाइन करते हैं। नागबंधम को 2025 में तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में एक साथ रिलीज करने की तैयारी है, जिसका बजट 100 करोड़ है।

संक्रांति के मौके पर, निर्माता 13 जनवरी को रुद्रा को पेश करेंगे। अत्याधुनिक वीएफएक्स और उच्च–ऑक्टेन एडवेंचर के साथ, नागबंधम असाधारण उत्पादन मूल्यों का वादा करता है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, सोमवार 13 जनवरी 2025
sheelshukla100@gmail.com

पत्नी से यारी पर दोस्त को लगाया किनारे, लाश मिली तो हत्या का हुआ खुलासा

'हत्या के बाद बाइक, मोबाइल कपड़े छुपाकर हो गया था फरार

मीरजापुर(आरएनएस)। विख्यात सक्तेशगढ़ स्थित अड़गड़ानंद आश्रम के पास मिली लाश का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पत्नी से अवैध संबंध के शक में दोस्त ने साथी की हत्या कर लाश को ठिकाने लगा दिया था। अवैध संबंध के शक में दोस्त की गला दबाकर की गई हत्या की इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया था। हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि दोस्त ही था जिसने हत्या कर शव सक्तेशगढ़ स्थित अड़गड़ानंद आश्रम के पास फेंक दिया था। शव देखकर आसपास के लोगों ने दी पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराते हुए मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच करने के पश्चात घटना का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी युवक ने पुलिस की पूछताछ में हत्या की बात कबूली की है। मामला चुनार थाना क्षेत्र के सक्तेशगढ़ का बताया गया है। पुलिस ने चुनार क्षेत्रान्तर्गत हुई युवक की हत्या से सम्बन्धित हत्याभियुक्त को गिरफ्तार कर मोटर साइकिल, मृतक का मोबाइल व कपड़ा भी बरामद कर लिया है।

बताते चलें कि मिर्जापुर जिले के चुनार कोतवाली क्षेत्र के सक्तेशगढ़ आश्रम के समीप एक व्यक्ति की लाश मिली थी, लाश को देखने के बाद प्रथमदृष्टया यह स्पष्ट हो गया था कि उसकी हत्या कर लाश को फेंका गया है। उधर लाश की पहचान विकास मौर्या के रुप में होने के बाद मृतक के पिता बाबूलाल मौर्या निवासी कोन भरूहवां थाना राजगढ़ द्वारा नामजद तहरीर देकर विकास मौर्या की षड्यंत्र के तहत हत्या कर शव को छुपाने के सम्बन्ध में 10 जनवरी को चुनार कोतवाली तहरीर दी गयी। तहरीर के आधार पर मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी थी। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा द्वारा उक्त हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार, सर्विलांस व एसओजी को निर्देश दिये गये थें। इलेक्ट्रानिक, भौतिक साक्ष्य संकलित करते हुए पुलिस टीम ने उसी दिन चुनार पुलिस, सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत दुर्गाजी मोड़ से घटना से सम्बन्धित प्रदीप चौहान पुत्र आशा चौहान निवासी सुल्तानपुर थाना रामनगर जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बाइक तथा मृतक का कपड़ा व मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्तार प्रदीप चौहान द्वारा पूछताछ में बताया गया कि मृतक का उसकी पत्नी से अवैध सम्बन्ध होने के शक के आधार पर उसके द्वारा योजना बनाकर मृतक विकास मौर्या की हत्या कर शव, कपड़ा व मोबाइल को छिपा दिया गया था। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार रविन्द्र भूषण मौर्य मय पुलिस टीम व निरीक्षक राजीव कुमार सिंह प्रभारी एसओजी मय पुलिस टीम, उप निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह प्रभारी सर्विलांस मय पुलिस टीम की पुलिस अधीक्षक ने पीठ थपथपाई है।

नवागत मण्डलायुक्त विंध्याचल मंडल ने किया पदभार ग्रहण

मीरजापुर(आरएनएस)। विंध्याचल मंडल के नवनियुक्त मण्डलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने आज आयुक्त कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने से पहले मण्डलायुक्त ने 10 जनवरी 2025 सांयकाल विंध्याचल धाम पहुंचकर माता विंध्यवासिनी का विधि विधान के साथ दर्शन–पूजन किया। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व आयुक्त कार्यालय में मण्डलायुक्त को गार्ड आफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात मण्डलायुक्त ने प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान बताया कि महाकुंभ मेला 13 जनवरी 2025 से प्रारंभ होकर 26 फरवरी 2025 तक चलेगा उसको लेकर तैयारी की जा रही है जिसमें होल्डिंग एरिया के अतिरिक्त घाटों की साफ सफाई, पानी के अंदर बैरीकेटिंग व्यवस्था आदि व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिलाधिकारी से भी वार्ता की गई उनके द्वारा बताया गया कि महाकुंभ मेला की तैयारी के दृष्टिगत फील्ड में भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त हमारी प्राथमिकता शासन की नीतियां तहत जीरो पावर्टी एक ऐसी योजना है जिसे प्रदेश में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदियत्नाथ जी ने पहली बार लान्च किया है इसमें हर गांव के ऐसे गरीब व्यक्ति हैं, कम से कम ऐसे 25 लोगों को लाभान्वित किया जाना है जिससे कि उन्हें गरीबी से उभारा जा सके इसके लिए उन्हें योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है या नहीं मिल पा रहा है इसे धरातल पर उतरने के लिए गंभीरता के साथ कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री का भी कार्य चल रहा है किसानों के डाटा को डेटाइज किया जा रहा है तथा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य हमारे मंडल में अच्छा हो और गति के साथ कार्य कराया जाएगा। प्रधानमंत्री सोलर ऊर्जा योजना के तहत रिव्यू कर इसको भी अधिकांश लोगों को लाभान्वित कराया जाएगा ताकि उनके बिजली पर खर्च होने वाले पैसों की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त जितनी भी सरकार की योजनाएं हैं उसको धरातल पर कैसे उतारा जाए और लाभार्थियों को उसका लाभ मिल सके इसके लिए इसके लिए कठिन परिश्रम करते हुए आगे ले जाएंगे। तदुपरान्त मण्डलायुक्त के द्वारा आयुक्त कार्यालय में मण्डलीय अधिकारियों से उनका परिचय प्राप्त करने के उपरान्त कार्यालय का भ्रमण कर पटलवार अधिकारियों–कर्मचारियों से उनके द्वारा सम्पादित किए जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन डॉ विश्राम, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर आयुक्त न्यायिक आशीष मिश्रा, उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर शक्ति प्रताप सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग विरेनद्र कुमार, उप आबकारी आयुक्त श्रीराम पाण्डेय, अपर निदेश स्वास्थ्य, उप निदेशक बेसिक शिक्षा, संयुक्त निदेशक कृषि सहित अन्य सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहें।

विश्व यात्री की यादों के पोस्टकार्ड का हुआ विमोचन

अमेठी सुप्रसिद्ध साहित्यकार विश्वयात्री डॉ कामता कमलेश की स्मृति में प्रकाशित पुस्तक यादों का पोस्टकार्ड का विमोचन समारोह शुक्रवार को क्षेत्र के शारदन स्थित मां शारदा धाम परिसर में आयोजित किया गया।समारोह में विश्वयात्री की स्मृतियां जिनके जिनके मानस पटल पर रहीं उन्होंने उसको साझा करते हुए श्रद्धा के सुमन अर्पित किए। अवधी साहित्य संस्थान की ओर से विश्वयात्री डॉ कामता कमलेश के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी एवं गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ हुआ।कवि सुरेश चन्द्र शुक्ल नवीन ने वाणी वंदना की। संस्थान के डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा कि कुड़वा ग्राम के सम्भ्रांत परिवार में जन्मे विश्वयात्री डॉ कामता कमलेश की साहित्य साधना ज्योति देश–दुनिया में सदा यादों में रहेगी।अध्यक्षता करते हुए डॉ रामबहादुर मिसिर ने कहा कि हिन्दी आज वैश्विक फलक पर अपना परचम लहरा रही है और वह केवल साहित्य की भाषा ही नही रोजगार की भाषा बन चुकी है। मुख्य अतिथि कनाडा से पधारी विदेश महासचिव महिला काव्य मंच नीरजा शुक्ला नीरू ने कहा कि डॉ कामता कमलेश द्वारा हिन्दी भाषा को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने का जो अद्भुत कार्य किया गया उसके लिए यही कहा जा सकता है कि हिन्दी का सूरज न कभी अस्त हुआ है न होगा। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार शुक्ल ने कहा कि डॉ कामता कमलेश ने अमेठी की साहित्यिक ज्योति देश दुनिया में पहुंचा कर हिन्दी साहित्य सम्वर्द्धन हेतु जो कार्य किया है वह सदैव अविस्मरणीय रहेगा। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी लंगर आयोजन समिति के संस्थापक बाबा मनोहर सिंह ने कहा कि इस संसार में जो आया है वह जाएगा यह शाश्वत सत्य है।लेकिन व्यक्ति की धवल कीर्ति उसे सदैव जीवित रखती है।

सड़क किनारे अज्ञात की मिली लाश, पहचान कराने में जुटी पुलिस

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले के लालगंज कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे सरपतों के झुंड में एक व्यक्ति की लाश देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर ग्राम प्रधान ने लाश मिलने की फौरन सूचना पुलिस को दी है।जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह लालगंज कोतवाली क्षेत्र के मिर्जापुर–रीवा फोरलेन से लगे हुए बसही कला गांव संपर्क मार्ग पर हाईवे से चंद मीटर की दूरी पर लगभग 45 वर्षीय एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव सड़क के किनारे पड़ा हुआ था। जिसे देखकर उधर से गुजर रहे राहगीरों ने शोर मचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी है। सुबह के समय जब स्थानीय लोग सड़क से गुजर रहे थे तो उन्हें हाईवे के पास संपर्क मार्ग पर एक शव दिखाई दिया। मामले की सूचना मिलते ही गांव के प्रधान रहीस अहमद ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया है, लेकिन आसपास के किसी भी व्यक्ति द्वारा पहचान न होने पर उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दे दी, लाश मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव की शिनाख्त कराने में जुट गई है।

स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से करें निस्तारण–तहसीलदार

लालगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। स्थानीय थाना परिसर में समाधान दिवस संयुक्त रूप से तहसीलदार तरुण प्रताप सिंह व पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 12 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 4 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया शेष बचे हुए प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम गठित कर निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। तहसीलदार तरुण प्रताप सिंह ने फरियादियों की समस्यानिस्तारण करने के लिए राजस्व एवं पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों की समस्या निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण करें कहा कि शासन की मशा अनुरूप फरियादी के प्रार्थना पत्र पर अंकित मोबाइल नंबर के माध्यम से मौके पर पहुंचकर फरियादी से मिलकर दो गवाहों के समक्ष समस्या का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट समय के अंदर प्रस्तुत करें। उन्होंने टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि पारदर्शी तरीके से समस्या का निस्तारण करें। पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार ने कहां की फरियादी की समस्या निस्तारण शांति तरीके से निस्तारण करें आवश्यकता अनुसार यदि पुलिस बल की आवश्यकता है तो पुलिस बल लेकर ही मौके पर जाएं उन्होंने टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादी की समस्या निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर पर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह, समेत पुलिस स्टाफ के साथ राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश उपाध्याय, राम सजीवन ,लेखपाल संघ अध्यक्ष अनूप कुमार पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

नहीं रहे पत्रकार बृजेश उपाध्याय

अमेठी। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार बृजेश उपाध्यक्ष के आकस्मिक निधन पर मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।उनके निधन पर डी एम निशा अनंत ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। जिले के सभी पत्रकारों और मीडिया कर्मियों ने पत्रकार के निधन पर गहरा दुःख जताया है और दिवंगत आत्मा की शांति को ईश्वर से प्रार्थना की है। बृजेश उपाध्याय लगभग चार दशकों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे। अपने समय में उन्होंने कई सम्मानित अखबारों में समाचार लेखन का कार्य किया।पिछले एक साल से अस्वस्थ चल रहे बृजेश उपाध्याय का गुरुवार को निधन हो गया। जिले पत्रकारों और पत्रकार संगठनों ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

विकास खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमेठी युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा आयोजित विकास खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को रामगंज कौहार में हुआ। जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख सदाशिव द्वारा किया गया जिसमे बालक वर्ग जूनियर स्तरीय 400 मीटर दौड़ में नितेश चौहान प्रथम साहिल द्वितीय मनीष कुमार तृतीय स्थान सीनियर बालक वर्ग 400 मीटर दौड़ में आशीष यादव प्रथम आशीष शर्मा द्वितीय पवन मिश्रा तृतीय बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में किरन प्रथम अंजली द्वितीय खुशबू तृतीय तथा बालक वर्ग में विवेक प्रथम अमित द्वितीय अभिषेक तृतीय बालक वर्ग 100 मीटर जूनियर स्तर की दौड़ में राज निर्मल प्रथम अमित द्वितीय विकास तृतीय बालिका वर्ग किरन यादव प्रथम आंशिक सिंह द्वितीय खुशबू तृतीय स्थान पर रहे बालक वर्ग जूनियर स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता करैया उपविजेता बहोरखा टीम सब जूनियर बालक वर्ग वॉलीबॉल में बहोरखा विजेता पिछौरा की टीम उपविजेता रहीं खेल कूद प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को ग्राम प्रधान बहोरखा रज्जन सिंह भदौरिया द्वारा पुरस्कार मेडल एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रागिनी पांडेय द्वारा किया गया कार्यक्रम में युवक मंगल दल अध्यक्ष आकाश बजरंगी रंजित एस पी सिंह आदि मौजूद रहे।

विंध्याचल सहित यूपी–एमपी सीमा का एसपी ने किया निरीक्षण

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले के नए पुलिस कप्तान सोमेन वर्मा ने विंध्याचल में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भ्रमण किया। प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ को देखते हुए मां विंध्यवासिनी धाम में भी लगभग 5 करोड़ लोगों के आने की संभावना देखते हुए प्रशासन द्वारा तैयारी कर ली गई है। शनिवार को मां विंध्यवासिनी धाम गंगाघाट कारिडोर का निरीक्षण करते हुए नए कप्तान सोमेन वर्मा ने मातहतों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने एक एक पॉइंट की जानकारी ली और अपने मातहतों को आने वाले महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रित करने और सुगमता पूर्वक दर्शन कराने पर जोर दिया। कहा मां विंध्यवासिनी धाम जाने वाले प्रमुख मार्गो पर किसी प्रकार का अतिक्रमण ना हो, ताकि दूर दराज से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक ने कुंभ मेला के मद्देनजर यूपी एमपी सीमा पर स्थित भैसोड़ बलाय पहाड़ का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश देते हुए भ्रमण किया है।

रोडवेज बस की चपेट में आने से बुआ की मौत, भतीजा घायल

'उपचार के लिए बाइक से अस्पताल जाते समय हुआ हादसा

मीरजापुर(आरएनएस)। उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल जा रही एक महिला की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई है, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया है। महिला की मौत का कारण रोडवेज बस बनी है जिसकी चपेट में आने से महिला की मौत होनी बताई जा रही है। दुर्घटना में बाइक चला रहा मृतक महिला का भतीजा घायल हो गया है। टक्कर मारने के बाद रोडवेज बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया है। दूसरी ओर दुर्घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने चक्का जाम कर दिया है। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के मुहकुचवां का मामला। बताते चलें कि मिर्जापुर जिले के देहात कोतवाली के मुहकुचवां के पास शनिवार को सुबह रोडवेज बस की चपेट में आने से बुआ की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा घायल हो गया है। देहात कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर चौसा की रहने वाली कमला देवी 50 अपने भतीजे कोमल सोनकर के साथ बाइक पर सवार होकर दवा लेने के लिए शनिवार की सुबह 11 बजे मंडलीय अस्पताल जा रही थीं। वह जैसे ही मुंहकुचवा के पास पहुंचीं थीं कि रोड़वेज बस की चपेट में आ गईं। रोडवेज बस से धक्का लगते ही कमला देवी सड़क पर गिर गई जिन्हें बस चालक कुचलते हुए चलते बना। दुर्घटना के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई थीं। हादसे की खबर लगते ही परिजन रोते–बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे और वहीं आक्रोशित लोगों ने मौके पर जाम लगा दिया था, जिसे बाद में पुलिस ने समझा बुझाकर समाप्त कराया है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने भाग रही रोडवेज बस को पकड़ लिया है।

थाना समाधान दिवस पर पड़े शिकायती पत्र के निस्तारण के लिए गई गठित टीमें

हलिया, मीरजापुर(आरएनएस)। हलिया थाना परिसर में शनिवार को पुर्व की भांति थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी लालगंज आशाराम वर्मा की उपस्थिति में अपनी समस्या को लेकर आए फरियादियों की समस्या को सुना गया तथा समस्या की निस्तारण हेतु पुलिस एवं चकबंदी राजस्व लेखपाल कानूनगो की संयुक्त टीमें गठित की गई। जो मौकघ मुआयना कर संपुर्ण निस्तारण की प्रक्रिया पूरी करेंगे। थाना समाधान दिवस पर भुमि विवाद संबंधित कुल चार मामले प्रकाश में आये परन्तु मौके पर एक भी मामले का निस्तारण नहीं हो पाया जिसके लिए उपजिलाधिकारी द्वारा संबंधित पुलिस, लेखपाल, कानूनों चकबंदी की टीमें मौके पर जाकर निस्तारण हेतु गठित कर दी गई। थाना समाधान दिवस पर जन सुनवाई करते हुए उपजिलाधिकारी आशाराम वर्मा ने बताया की थाना समाधान दिवस पर आने वाले मामलों को गंभीरता से लेते हुए उसका निस्तारण किया जाएगा

पुलिस अधीक्षक द्वारा मासिक अपराध गोष्ठी सम्मेलन का आयोजन किया गया

श्रावस्ती (आरएनएस) पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया' के नेतृत्व में पुलिस कार्यालय सभागार कक्ष में मासिक सैनिक सम्मेलन एवं अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जनपद के विभिन्न थाना एवं शाखा से आए पुलिसकर्मियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिसार निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों को पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसरों और बैरकों में साफ–सफाई, बिजली–पानी की उचित व्यवस्था और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बीट प्रणाली पर विशेष जोर देते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि बीट क्षेत्र किसी भी परिस्थिति में खाली न रहे। बीट बुक में सक्रिय अपराधियों का विवरण दर्ज कर उनकी नियमित निगरानी की जाए।अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एसएसबी के साथ नियमित पैदल गश्तध्रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियोंध वाहनों की जांच, मादक पदार्थ तस्करी और कच्ची शराब की तस्करी पर सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया,लंबित प्रार्थना पत्रों और विवेचनाओं का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण,गैंगस्टरध्गुंडा एक्ट के तहत वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी,ऑपरेशन क्लीन के तहत थाना पर लावारिश वाहनो, मालों का शीघ्र निस्तारण, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अपराधियों को त्वरित सजा दिलाने की प्रक्रिया को तेज करने,किसी भी घटना के निरीक्षण के पश्चात् सम्बंधित फोटोध वीडियो ई साक्ष्य एप पर अपलोड करने, 'ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरों की स्थापना पर जोर दिया गया तथा जनपद के मुख्य चौराहो, भीड़–भाड़ वाले स्थानो की निगरानी किये जाने हेतु पुलिस कार्यालय मे एक सीसीटीवी कंट्रोल रूम स्थापित करने हेतु निर्देशित किया जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधियो पर नजर रखने व अपराधियो को पकड़ने मे सहायता होगी।' स्कूल–कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर यातायात विशेष जागरूकता अभियान चलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु यातायात प्रभारी व समस्त थाना प्रभारियो को आदेशित किया।थाना प्रभारियों को समय पर जनसुनवाई करने, आमजन से अच्छा व्यवहार बनाए रखने और सड़क पर अतिक्रमण हटवाने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आगामी त्योहार मकर संक्रांति, गणतन्त्र दिवस व महाकुंभ मेला 2025 के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु व्यापक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सैनिक सम्मेलन के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जाली नोट प्रकरण में उत्कृष्ट योगदान हेतु एसओजी टीम 1.प्रभारी श्री नितिन यादव 2.मु0आ0 अवनीश विक्रम सिंह 3.आ0 वीरेंद्र यादव 4. आ0 अभिषेक सिंह 5.आ0 रिषभ गौड़ 6. आ0 अभिषेक सिंह सर्विलांस सेल थाना हरदत्त नगर गिरंट टीम से 1.थानाध्यक्ष श्री शैलकान्त उपाध्याय– 2.उ0नि0 श्री विशाल शुक्ला 3.उ0नि0 अंकुर वर्मा 4.उ0नि0 छैल बिहारी 5.उ0नि0 अनीष गोड़ 6. हे0का0 जितेंद्र कुमार यादव 7. का0 विवेक सिंह 8.हे0का0 भोला सिंह 9.का0 संजीत कुमार 10. का0 प्रवीण पाण्डेय को सम्मानित किया गया।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दो परिवारों को जोड़ने का किया गया सार्थक प्रयास

श्रावस्ती (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के कुशल निर्देशन में पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में पारिवारिक विवादों की प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की गई। इस सुनवाई के दौरान ऐसे परिवार, जो आपसी वैचारिक मतभेद के कारण टूटने की कगार पर थे, को आपसी संवाद और सुलह के माध्यम से पुनः जोड़ा गया। महिला थाना एवं पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के अधिकारी कर्मचारीगणों ने पति–पत्नी के मध्य उत्पन्न मनमुटाव और कलह के कारणों को सुना और समाधान प्रस्तुत किया। इस प्रयास से 02 परिवारों को बिछड़ने से बचाया गया और उन्हें हंसी–खुशी से विदा किया गया। महिला थाने पर प्रतिदिन और पुलिस परिवार परामर्श केंद्र (पुलिस लाइन) में प्रत्येक शनिवार को पारिवारिक विवादों की शिकायतों की सुनवाई होती है। अधिकतर मामले घरेलू कलह, दहेज उत्पीड़न, और घरेलू हिंसा से संबंधित होते हैं। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी उपनिरीक्षक शिवशरण गौड़, महिला आरक्षी रिचा शुक्ला एवं शालू सहित अन्य अधिकारीध्कर्मचारियों के प्रयासों से महीनों से अलग रह रहे पति–पत्नी को सुलह कराई गई। उन्होंने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी–खुशी विदा किया। विदा कराए गए परिवारों की स्थिति का समय–समय पर दूरभाष के माध्यम से कुशलक्षेम लिया जाएगा, जिससे सुलह की स्थिति का अद्यतन जानकारी मिल सके।

जंगल से निकले तेंदुए ने बछड़े को बनाया निवाला

सिरसिया श्रावस्ती (आरएनएस)। पूर्वी सोहेलवा से निकल एक तेंदुआ सिरसिया थाना क्षेत्र के बालू घोलिया गांव में पहुंच गया। इस दौरान तेंदुए ने एक बछड़े को निवाला बना लिया। ग्रामीणों ने लाठी डंडे से खदेड़ा तब तेंदुआ भागकर जंगल में घुस गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सिरसिया क्षेत्र का बालू घोलिया गांव पूर्वी सोहेलवा जंगल से सटा हुआ है। शुक्रवार रात में एक तेंदुआ जंगल से निकल कर गांव में पहुंच गया। इस दौरान गांव निवासी लक्ष्मी नारायण वर्मा के मवेशी गांव के बाहर बने घरुही में बंधे थे।

आवारा पशुओं की समस्या से आज भी जूझ रहे किसान

अमेठी जिले में आवारा पशुओं की समस्या अभी भी बरकरार है।जिसके कारण किसान परेशान हैं।बड़ी मुश्किल से महंगे खाद बीज डालकर फसल तैयार कर रहे हैं उस पर आवारा पशु झुंड के झुंड घुसकर उसे चौपट कर रहे हैं। तमाम प्रयास के बावजूद भी शासन किसानों को आवारा पशुओं की समस्या से निजात नहीं दिला सका है।किसान की मेहनत से तैयार हो रही फसल आवारा पशु नष्ट करने पर आमादा है वही रात में आवारा पशुओं का तांडव इन दिनों गांव में भी हो रहा है गांव में घुसकर किसानों की पशुशाला और घरों में आवारा पशु तांडव कर रहे हैं।वहीं सड़कों पर भी झुंड के झुंड आवारा पशु टहलते नजर आते हैं जिससे आए दिन सड़क दुर्घटना का लोग शिकार हो रहे हैं। ग्रामीण अंचल के अलावा नगरीय क्षेत्रों में भी आवारा पशुओं का कहर जारी है।आम आदमी सरकार से लगातार आवारा पशुओं की समस्या से निजात पाने के लिए गुहार लगा रहा है लेकिन सरकार की ओर से तैयार किए गए पशु आश्रय स्थल इस समस्या से निजात दिलाने में नाकाफी साबित हो रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी धरातल पर आवारा पशु की समस्या से निपटने जैसे मुद्दे पर कोई कारगर कदम नहीं उठा पा रहे हैं।

घने कोहरे ने थामी रफ्तार

अमेठी जिले में शुक्रवार को भीषण कोहरे ने रफ्तार थाम दी। सड़कों पर पूर्वान्ह 11 बजे तक वाहन रेंगते नजर आए। गुरुवार देर रात से ही कोहरा पड़ने लगा जो सुबह होते घने चादर के रूप में दिखा।पूर्वान्ह लगभग 10 बजे तक पारदर्शिता बिल्कुल कम होने के कारण आवागमन में लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। वहीं कड़ाके की सर्दी से लोग

ठिठुरते से नजर आ रहे थे। पिछले एक पखवाड़े से ठंड का असर प्रतिदिन लगातार बढ़ रहा है ठंड के कारण लोग दिनभर गर्म कपड़ों में लिपटे हुए हैं। मवेशी भी काफी परेशान है।शुक्रवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया।दिन में तेज धूप के मौसम कुछ ठीक हुआ लेकिन शाम होते ही कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई। ग्रामीण अंचल में सार्वजनिक स्थलों पर अभी भी अलाव नहीं जले हैं। क्षेत्र में कड़ाके की ठंड से लोग बेहाल हैं। ठंड को देखते हुए लोग सरकारी अर्धसरकारी और सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की मांग की गई है। हर साल प्रशासन के सहयोग से प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाए जाते थे लेकिन इस बार अब तक कोई पहल नहीं

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।